सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ईद-उल-फितर पर भाईचारे की अपील, शांति और सद्भाव... पेज: 5 | अनन्या पांडे ने शेयर की अपने रिलेशनशिप... पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 337 | गुरुवार 19 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिलने पहुंचे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा

बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल भी रहा साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में बुधवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और औद्यौगिक बैठक देखने को मिली, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव और सांसाद प्रियंका गांधी वाड्रा अचानक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने संसद भवन पहुंचे।

दरअसल, राजस्थान से बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर बुधवार की सुबह राहुल गांधी से मिलने आया था। राजस्थान से आए इस डेलिगेशन ने व्यापार से जुड़ी नीतिगत चुनौतियों, नए नियमों के कारण बढ़ती कठिनाइयों और उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव को विस्तार से बताया।

प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तत्काल पहल की और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ उन्हें लेकर केंद्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान उद्योग से जुड़े मुद्दों को सीधे संबंधित मंत्री के सामने रखने का प्रयास किया गया, ताकि समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

बैठक हालांकि कुछ ही मिनटों तक चली, लेकिन इसमें कई अहम विषयों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से बस और ट्रक बॉडी निर्माण उद्योग पर नए नियमों के प्रभाव, नीतिगत बदलावों की आवश्यकता और कारोबार में आ रही बाधाओं पर विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों के अनुसार, डेलिगेशन ने केंद्र सरकार से नियमों में राहत और स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की है, जिससे उद्योग को स्थिरता मिल सके। वहीं, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने भी समस्याओं को सुनकर उन्हें सकारात्मक रूप से देखने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात को उद्योग और राजनीति के बीच समन्वय के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जहां जनप्रतिनिधियों ने सीधे तौर पर व्यापारिक समुदाय की आवाज को सरकार तक पहुंचाने का काम किया। आने वाले समय में इस बैठक के परिणामस्वरूप नीतिगत स्तर पर कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

फ्लाइट में जज को परोसा फंगस लगा खाना, विरोध करने पर एयरलाइन क्रू ने की अभद्रता

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली से लखनऊ आ रहे एक विमान में न्यायिक अधिकारी (जज) के साथ अभद्रता और दूषित भोजन परोसने का गंभीर मामला सामने आया है। अमरोहा में तैनात जज प्रशांत कुमार ने एयर इंडिया के क्रू मेंबर्स और कस्टमर सर्विस इंचार्ज के खिलाफ सरोजिनी नगर थाने में एनसीआर (गैर-संज्ञेय रिपोर्ट) दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विमान में उन्हें जो भोजन दिया गया, उसमें स्पष्ट रूप से फंगस लगा हुआ था और विरोध करने पर कर्मचारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। घटनाक्रम के अनुसार, जज प्रशांत कुमार बीती 16 मार्च 2026 को एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 1720 से दिल्ली से लखनऊ की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान जब उन्हें भोजन परोसा गया, तो वह सड़ा हुआ था। जज का कहना है कि इस प्रकार का असुरक्षित भोजन यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। जब उन्होंने इस गंभीर लापरवाही की शिकायत केबिन क्रू सदस्य मनप्रीत और प्रीति से की, तो उन्होंने समस्या का समाधान करने के बजाय उनके साथ अनुचित और अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। विमान के लखनऊ लैंड होने के बाद भी विवाद थमा नहीं। आरोप है कि एयरलाइन के कस्टमर सर्विस कर्मचारी सुफियान ने भी जज के साथ बदसलूकी की और उन्हें साक्ष्य के तौर पर फंगस लगा हुआ खाना फ्लाइट से बाहर ले जाने से जबरन रोक दिया। एनसीआर में जज ने मांग की है कि यात्रियों को दूषित भोजन परोसना और शिकायत करने पर उनके अधिकारों का हनन करना एक गंभीर अपराध है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर गहन जांच करने और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जिससे विमान सेवाओं में यात्रियों की सुरक्षा और खान-पान की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

भारत का बड़ा दांव : रुस से तेल लेकर चीन जा रहा टैंकर... अचानक से भारत की ओर चल दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजरायल में बीच छिड़े युद्ध के बाद तेल की संकट ने पूरी दुनिया को अपने गिरफ्त में ले लिया है। इस संकट के बीच भारत का दम दुनिया भर में दिख रहा है। बीते दिनों होर्मुज स्ट्रेट से भारत के दो जहाज सही सलामत गैस लेकर गुजरात के बंदरगाहों पर पहुंचे थे। अब भारत ने एक और बड़ा दांव चल दिया है। दरअसल दक्षिण चीन सागर में एक रूसी तेल से लदा टैंकर अचानक मुड़ गया। यह मूल रूप से चीन के रिजाओ बंदरगाह की ओर बढ़ रहा था, लेकिन अब तेजी से भारत की ओर आ रहा है। गौरतलब है कि भारत ने मौजूदा स्थिति में रूस से तेल आयात बढ़ाने का फैसला किया है। यह बदलाव ईरान में चल रही जंग के कारण मध्य पूर्व से तेल सप्लाई रुकने के बाद भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए हुआ है। एक रिपोर्ट में बताया गया हैं कि बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से जनवरी के अंत में उराल्स क्रूड ऑयल लोड करके निकला था। शुरू में इसका डेस्टिनेशन चीन का रिजाओ पोर्ट था। लेकिन मार्च के मध्य में दक्षिण-पूर्व एशियाई पानी में पहुंचते ही टैंकर ने यू-टर्न ले लिया। अब यह 21 मार्च को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचने वाला है। डेटा के मुताबिक, अमेरिका ने भारत को रूसी तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से बढ़ाने की छूट दी, ठीक उसी के कुछ दिन बाद यह बदलाव हुआ। इससे पहले भारत ने रूसी तेल कम खरीदना शुरू कर दिया था, जिससे कई कार्गो चीन की ओर चले गए थे। अब स्थिति बदल गई है।

गाजियाबाद मेयर का विवादित बयान...घरों में अधिक कार होने से बढ़ा रहा सड़कों पर ट्रैफिक

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद जिले में ट्रैफिक जाम को लेकर मेयर सुनीता दयाल का विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि शहर में जाम की समस्या का मुख्य कारण लोगों के बढ़ते जीवन स्तर और घरों में अधिक कारें होना है। मेयर ने बताया कि पहले एक घर में एक ही गाड़ी होती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं, इसकारण सड़कों पर दबाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सड़कों का चौड़ीकरण केवल उपलब्ध जगह के अनुसार ही संभव है और लोगों के मकान तोड़कर सड़क बढ़ाना असंभव है। हालांकि, स्थानीय लोग तर्क से असहमत होकर कहते हैं कि शहर की कई मुख्य सड़कें अतिक्रमण की वजह से संकरी हो गई हैं। फुटपाथों और सड़कों के किनारे अवैध कब्जे ट्रैफिक को और बाधित करते हैं। उनका कहना है कि ट्रैफिक व्यवस्था सुधारना और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराना प्रशासन, नगर निगम और विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी है। केवल लोगों के बढ़ते वाहन को दोष देना समस्या के वास्तविक कारणों से ध्यान हटाने जैसा है। शहर में रोजाना ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। नोएडा में काम करने वाले लोग नेशनल हाईवे-9 पर जाम का सामना करते हैं, जबकि मोहननगर मार्ग से दिल्ली जाने वाले लोग जीटी रोड पर लंबी कतारों में फंसते हैं। कार्यक्रम में हाउस टैक्स पर पूछे गए सवाल पर मेयर ने कहा कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स लागू नहीं किया जाएगा और नगर निगम अधिकारियों को बढ़ी हुई दर पर बिल जारी करने से रोका गया है। बावजूद इसके, कई जगहों पर पहले ही बढ़ी हुई दर के बिल जारी किए जा चुके हैं। इस बयान ने गाजियाबाद में ट्रैफिक प्रबंधन और अतिक्रमण पर बहस को और तेज कर दिया है।

मुजफ्फरपुर में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प, एक ग्रामीण की मौत, कई पुलिस वाले घायल

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के असिया गांव में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प हुई। घटना तब हुई जब पुलिस पॉक्सो एक्ट के आरोपी भिखारी राय और अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने पहुंची थी। पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान आरोपी पक्ष ने शोर मचाकर ग्रामीणों को इकट्ठा किया, जिसके बाद पुलिस टीम पर पथराव किया गया और कथित रूप से फायरिंग भी की गई। स्थिति बिगड़ने पर गायघाट थानाध्यक्ष राजा सिंह ने आत्मरक्षा में गोली चलाने की बात कही है। इस घटना में ग्रामीण जगतवीर राय की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि थानाध्यक्ष, अपर थानाध्यक्ष सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है। झड़प के दौरान पुलिस के कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं मृतक के परिजनों ने पुलिस पर सीधा आरोप लगाया है कि जगतवीर राय को नजदीक से गोली मारकर हत्या की गई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया है।

सांसद टी राजा सिंह को फिर मिली जान से मरने की धमकी

हैदराबाद (एजेंसी)। गोशामहल विधानसभा के सांसद टी राजा सिंह को बुधवार को उनके आवास पर एक अज्ञात प्रेषक से जान से मारने की धमकी भरा पत्र मिला। पत्र में लिखा था कि राजा सिंह, 27 मार्च को आपकी आखिरी रामनवमी होगी। तेलंगाना पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। जनवरी में भी बीजेपी सांसद सिंह को इसी तरह का एक पत्र मिला था, जो कथित तौर पर अब्दुल हाफिज नाम के एक व्यक्ति ने भेजा था। पत्र में अपशब्दों का प्रयोग किया गया था और दावा किया गया था कि पुलिस उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। बीजेपी नेता सिंह ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक, आयुक्त और मुख्यमंत्री से बार-बार मिल रही धमकियों के पीछे के व्यक्ति की पहचान करने की अपील की है। सांसद सिंह ने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार को पत्र लिखकर आगामी राम नवमी जुलूस के लिए पुलिस सुरक्षा देने से इंकार कर दिया। उन्होंने सुरक्षा से इंकार करने के कारणों के रूप में बार-बार उत्पीड़न, लाठीचार्ज और पिछले वर्ष के आयोजन के दौरान टास्क फोर्स कर्मियों द्वारा बल प्रयोग का हवाला दिया। सिंह ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में, सुरक्षा के बहाने तैनात पुलिसकर्मियों ने जुलूस को बाधित किया और कई बार श्रद्धालुओं पर लाठीचार्ज भी किया। उन्होंने अनीता टावर्स, पुराना पुल, बेगम बाजार छतरी और सिद्दीअंबर बाजार मस्जिद के पास हुई घटनाओं का जिक्र किया, जिनसे श्रद्धालुओं में भय और तनाव का माहौल बना।

क्या गंगा नदी में रोजा इफ्तार नहीं कर सकते... अखिलेश ने उठाए सवाल

-5-स्टार जहाज को लेकर योगी सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। काशी में गंगा नदी में नाव पर रोजा इफ्तार करने वाले मुस्लिम युवकों की गिरफ्तारी पर सियासत शुरू हो चुकी है। सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पूछा है कि क्या गंगा में रोजा इफ्तार नहीं कर सकते? डीएम, एसपी और एसओ को इफ्तारी देनी चाहिए थी। हथेली गरम....तब पुलिस नरम। उन लोगों ने हथेली गरम नहीं की होगी, इसकारण उन पर कार्रवाई हुई। इस दौरान अखिलेश का इशारा रिश्वत की तरफ था।

वहीं कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भी योगी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी पुलिस कानून के दुरुपयोग का कीर्तिमान बनाना चाहती है। उन्होंने लिखा कि पुलिस मुसलमानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए उतावली दिख रही है। युवाओं का एक समूह नाव में बैठकर इफ्तार कर रहा था। बस इतने से किसी छुटभैये नेता की भावना आहत हो गई। उसकी तहरीर पर पुलिस ने 14 युवाओं को गिरफ्तार कर लिया। नरेन्द्र मोदी जी क्या यही है सबका साथ, सबका विकास का नारा। जिसमें मुसलमानों के नमाज पढ़ने और इफ्तार करने पर मुकदमा दर्ज होगा। वहीं, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि गंगा की पवित्रता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। दरअसल, बनारस में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी हुई थी। इसका वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर 14 मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया था। लखनऊ में इफ्तार पार्टी में पहुंचे अखिलेश ने कहा कि ये सब हमारे-आपके बीच में दूरियां पैदा करने के लिए किया जा रहा है। प्रशासन ऐसी कार्रवाई कर यूपी सरकार को खुश करने के लिए कर रहा। एक 5-स्टार जहाज चला था। उसमें महंगी-महंगी शराब थी। उसके टॉयलेट का वेस्ट गंगा में जा रहा था। उस जहाज के मालिक पर क्या कार्रवाई हुई? उस समय जो गड्ढे खोदकर छोड़ गए थे, उसकी गंदगी गंगा में पहुंची। उस पर क्या एक्शन हुआ?

उत्तराखंड में धामी सरकार 51 रोपवे प्रोजेक्ट्स विकसित करने की योजना में

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में धामी सरकार राज्यभर में 51 रोपवे प्रोजेक्ट्स विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। करीब 160.75 किलोमीटर लंबे इस मास्टरप्लान के तहत पहाड़ों के कई धार्मिक और पर्यटन स्थलों को रोपवे से जोड़ने की तैयारी है। इन 51 में से 2 रोपवे प्रोजेक्ट्स पर फिलहाल काम तेजी से काम हो रहा है, जबकि केदारनाथ और हेमकुंड साहिब सहित 4 मेगा रोपवे प्रोजेक्ट्स पर जल्द निर्माण कार्य शुरू होने की तैयारी है। इसके अलावा कई अन्य रोपवे प्रोजेक्ट्स फिलहाल डीपीआर और प्री-फिजिबिलिटी स्टडी के चरण में हैं, जिन पर उत्तराखंड रोपवे डेवलपमेंट लिमिटेड (यूआरडीएल) के जरिए आगे की प्रक्रिया चल रही है। प्रस्तावित नेटवर्क में सबसे ज्यादा रोपवे पौड़ी जिले में बनने का प्लान है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर

निदेशक दीपक खंडूरी के मुताबिक रोपवे उन स्थानों तक पहुंच का बेहतर विकल्प हैं जहां सड़क बनाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स से तीर्थ यात्रियों की यात्रा आसान होगी और लोकल स्तर पर पर्यटन व रोजगार के नए अवसर भी बढ़ने है। उन्होंने बताया कि देहरादून के पुरकुल से मसूरी के लाइब्रेरी चौक तक बनने वाला यह रोपवे राज्य के प्रमुख प्रोजेक्ट्स में शामिल है। करीब 285 करोड़ रुपए की लागत से इसका निर्माण हो रहा है। परियोजना का लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसमें 10 यात्रियों की क्षमता वाले 71 केबिन लगाए जाएंगे और देहरादून से मसूरी तक का सफर करीब 20 मिनट में पूरा होगा। इस साल के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं चंपावत जिले में पूर्णागिरी मंदिर तक पहुंच आसान बनाने के लिए यह रोपवे बनाया जा रहा है। करीब 35 करोड़ रुपये की लागत वाली योजना का निर्माण कार्य जारी है। इस 30 मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर निदेशक खंडूरी ने इन परियोजनाओं के दूरगामी फायदों पर प्रकाश डाला है। उनके अनुसार रोपवे के माध्यम से उन दुर्गम पहाड़ियों तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा, जहां सड़क मार्ग बनाना भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से कठिन है। केदारनाथ, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब जैसे कठिन ट्रेक वाले स्थानों पर बुजुर्गों और बीमार यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक सफर मिलेगा। पहाड़ों पर वाहनों के धुएं से प्रदूषण बढ़ रहा है।

त्यागी के इस्तीफे पर राजद सांसद का दावा...देखते जाइए जेडीयू में जल्द भगदड़ मचने वाली

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक ओर राज्यसभा जा रहे हैं। दूसरी ओर उनके पुराने साथ रहे केसी त्यागी ने भी जेडीयू का साथ छोड़ दिया है। 22 मार्च को वे बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा करने वाले है। इस बीच आरजेडी के सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव ने बड़ा दावा किया है। बीते दिनों सांसद यादव जहानाबाद में विधायक राहुल कुमार की ओर से आयोजित इफ्तार पार्टी में पहुंचे थे। जहां उन्होंने कहा कि त्यागी उम्र और रिश्ते में बड़े हैं, इसलिए उनका सम्मान करते हैं, लेकिन उनके इस्तीफे के बाद जेडीयू में जल्द भगदड़ मचने वाली है। आरजेडी सांसद ने दावा कर कहा कि थोड़ा इंतजार कर लीजिए, जेडीयू में भगदड़ मचेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तब मैं खुद सांसद पद से इस्तीफा देकर राजनीति भी छोड़ दूंगा। सांसद यादव ने कहा कि एनडीए के 25 साल के शासन के बावजूद बिहार में आज भी असली जंगलराज बरकरार है। यह डर पैदा करने वालों का राज है। उन्होंने सत्ता पक्ष पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग जंगलराज के नाम पर ही चुनाव जीतने की रणनीति बना चुके हैं। जनता को गुमराह कर रहे हैं। आरजेडी सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र में 11 साल से सरकार होने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक प्रेसवार्ता क्यों नहीं की? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को जनता के बीच आकर सीधे सवालों का जवाब देना चाहिए।

कांशीराम को भारत रत्न की मांग पर गरमाई यूपी की सियासत, मायावती ने कांग्रेस-सपा को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति इन दिनों बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के इर्द-गिर्द सिमटती नजर आ रही है। आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के बीच दलित मतों को साधने की होड़ में विपक्षी दलों और सत्ता पक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। हाल ही में 15 मार्च को कांशीराम की 93वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से उन्हें भारत रत्न देने की मांग की, जिसने राज्य के सियासी पारे को बढ़ा दिया है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दलितों के उत्थान में कांशीराम के योगदान को रेखांकित किया और उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजने का आग्रह किया। हालांकि, कांग्रेस की इस पहल पर बसपा प्रमुख मायावती ने कड़ी आपत्ति जताई है। मायावती ने राहुल गांधी की मांग को बेतुका करार देते हुए कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उन्होंने कांशीराम को सम्मानित क्यों नहीं

किया? उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी दोनों को दलित विरोधी बताते हुए आरोप लगाया कि ये दल केवल चुनावों के वक्त बहुजन नायकों को याद करते हैं।

मायावती ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस के पास अब अपने कोई महान नेता नहीं बचे हैं, इसलिए वे बसपा के महापुरुषों के नाम पर वोट बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब कांशीराम जीवित थे, तब इन्हीं पार्टियों ने उन्हें हमेशा नजरअंदाज किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि अखिलेश यादव द्वारा हर जिले में कांशीराम जयंती को पीडीए दिवस के रूप में मनाना महज एक अवसरवादी कदम है। मायावती के अनुसार, बसपा शासनकाल में कांशीराम के सम्मान में किए गए कार्यों को सपा सरकार ने ही पलटने का काम किया था। सत्ता पक्ष की ओर से भी इस मामले पर प्रतिक्रिया आई है। यूपी के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए पूछा कि दशकों तक सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस को कांशीराम की याद क्यों नहीं आई? दूसरी ओर, मायावती ने अपने समर्थकों को आगाह करते हुए कहा कि ये पार्टियां बसपा को खत्म करने की सोची-समझी रणनीति के तहत काम कर रही हैं। उन्होंने चमचा युग पुस्तक का जिक्र करते हुए विपक्षी दलों के साथ जुड़े दलित नेताओं को भी आड़े हाथों लिया। उत्तर प्रदेश में एक साल बाद होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांशीराम के सम्मान को लेकर शुरू हुआ यह विवाद आने वाले दिनों में और गहराने के आसार हैं।

रिटायर्ड अफसर को दस दिन तक रखा डिजिटल अरेस्ट, 1.05 करोड़ रुपए भी ठगे

खुद को सीबीआई अधिकारी बता मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने और गिरफ्तार करने की दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। देश में साइबर क्राइम दिन ब दिन बढ़ते ही जा रहे हैं और लोगों की महनत की कमाई ठग बड़ी चालाकी से अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मुंबई के दादर इलाके से सामने आया यहां एक बुजुर्ग नागरिक को 10 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट करके उससे 1.05 करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। सेवानिवृत्त अधिकारी श्रेयष परलकर (71) से ठगों ने खुद को सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर मानसिक दबाव और डर दिखाकर ठगी को अंजाम दिया।

मीडिया रिपोर्ट में पीड़ित के मुताबिक 4 मार्च को उन्हें एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को ट्राई के दिल्ली मुख्यालय का अधिकारी बताया। उसने दावा किया कि पीड़ित के आधार कार्ड का इस्तेमाल कर एक नया मोबाइल नंबर जारी किया गया है, जिसका इस्तेमाल अवैध मैसेज और उत्पीड़न के लिए किया जा रहा है। इसके बाद कॉल को फर्जी सीबीआई अधिकारियों के पास ट्रांसफर किया। अलग-अलग लोगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर पीड़ित को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसाने और गिरफ्तार करने की धमकी दी। ठगों ने भरोसा जीतने के लिए फर्जी कोर्ट ऑर्डर, अरेस्ट वारंट और सरकारी लेटरहेड तक व्हाट्सऐप पर भेजे। रिपोर्ट के मुताबिक ठगों ने पीड़ित को यह कहकर डिजिटल अरेस्ट किया कि वह जांच के दायरे में हैं और कहीं बाहर संपर्क नहीं कर सकते। उन्हें एक मैसेजिंग ऐप डाउनलोड कराकर हर दो घंटे में मैं सुरक्षित हूं जैसी रिपोर्ट भेजने को कहा। इस दौरान उन्हें बार-बार डराया गया और सहयोग न करने पर गिरफ्तारी की धमकी दी गई। ठगों ने पीड़ित से उनकी बैंक डिटेल, निवेश और बचत की पूरी जानकारी हासिल की। इसके बाद फंड वेरिफिकेशन के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 6 मार्च से 12 मार्च के बीच पीड़ित ने चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 1.05 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए। 15 मार्च को पीड़ित के बेटे ने उनका मोबाइल चेक किया, तब पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। इसके बाद तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों और संबंधित बैंक खाताधारकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारतीय नौसेना ने तैयार किया अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को मिल रही पूरी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति पर मंडराते खतरों को देखकर भारतीय नौसेना ने देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच तैयार कर लिया है। इस रणनीतिक मिशन के तहत, नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो विशेष टास्क फोर्स तैनात की हैं, जो भारत आने वाले कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को संवेदनशील मार्गों से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए निरंतर एस्कॉर्ट प्रदान कर रही हैं। यह अभियान न केवल व्यापारिक जहाजों को संभावित हमलों या अवरोधों से बचाता है, बल्कि वैश्विक शिपिंग गलियारों में अनिश्चितता के बीच भारत की एनर्जी लाइफलाइन को बनाए रखता है। 2019 से इस क्षेत्र में अपनी सक्रिय उपस्थिति रख रही भारतीय नौसेना की यह त्वरित तैनाती भारत के उस कड़े संकल्प को दिखाती है, जहाँ वह अपनी अर्थव्यवस्था को किसी भी बाहरी दबाव या आपूर्ति में होने वाली रुकावट से सुरक्षित रखने के लिए हर स्तर पर तैयार है।

नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो टास्क फोर्स तैनात की हैं, ताकि भारत आने वाले व्यापारिक जहाजों और टैंकरों का सुरक्षित आवागम मिल सके। सुरक्षा अभियान पिछले सप्ताह शुरू हुए थे, जिसमें नौसैनिक जहाज संवेदनशील हिस्सों से गुजरते समय जहाजों के साथ चलते हैं और फिर उन्हें भारतीय बंदरगाहों की ओर निर्देशित करते हैं। नौसेना वाणिज्यिक शिपिंग को पूरी सुरक्षा प्रदान कर रही है, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास बढ़ते जोखिमों के बीच आपूर्ति में किसी भी रुकावट को रोकना है।

यह तैनाती भारत की ऊर्जा जीवनरेखाओं को सुरक्षित करने के प्रयास का हिस्सा है, क्योंकि देश के कच्चे तेल और गैस आयात का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान मिशन व्यापक समुद्री सुरक्षा ग्रिड का हिस्सा है, इस प्रमुख समुद्री मार्गों की रक्षा करने और ऊर्जा आपूर्ति के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन बिंदुओं में से एक बना हुआ है, जिससे इस क्षेत्र में कोई भी अस्थिरता भारत की अर्थव्यवस्था के लिए प्रत्यक्ष चिंता का विषय बन जाती है।

बात दें कि नौसेना 2019 से समुद्री डकैती विरोधी और समुद्री सुरक्षा अभियानों के हिस्से के रूप में, ओमान की खाड़ी और अदन की खाड़ी सहित आस-पास के जलक्षेत्रों में अपनी निरंतर उपस्थिति बनाए हुए है। यह नवीनतम तैनाती उन प्रयासों को आगे बढ़ाती है, और बढ़ते तनाव के बीच

नौसेना की परिचालन पहुंच का विस्तार करती है।

नवरात्रि: आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्थान का पर्व

योगेश कुमार गोयल

मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

शक्ति जागरण से आत्मविजय तक का दिव्य उत्सव नवरात्रि महापर्व का भारतीय समाज में विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरूआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 27 मार्च को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों

वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें ह्यशुभंकारीह्ल भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है, जो हमें संयम, साहस, तप और सदाचार का संदेश देता है। मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

संपादकीय

खनन पर हो मनन

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है। दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है।

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।?

मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बुरी तरह फंसे दुनिया के दादा ट्रंप

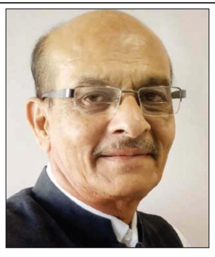

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला उसके बाद से उनका अहंकार चरम पर पहुंच गया। वह अपने आपको शांति का मसीहा बताना चाहते थे। सारी दुनिया में ट्रंप को एक विश्व गुरु के रूप में जाना जाए इसके लिए उन्होंने वह सब प्रयास किया जो वह कर सकते थे। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में वह राजनेता कम एक गैंगस्टर के रूप में ज्यादा नजर आए। पद संभालते ही उन्होंने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को बंद कराने की कोशिश की। इजरायल और हमास के बीच चली जंग को लेकर वह इजरायल के पक्ष में खड़े हुए। गाजा को पूरी तरह से समाप्त करके वहां अमेरिकी कॉलोनी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने सारी दुनिया के देशों में अपने परिवार के व्यापार को बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति पद का उपयोग किया। वह चाहते हैं, कि अमेरिका के वह तीसरी बार राष्ट्रपति बने, इसके लिए उन्होंने सारी दुनिया में अपनी ताकत का परचम फहराने की तो कोशिश की, सबसे पहले उन्होंने टैरिफ के माध्यम से सारी दुनिया के देशों को भयाक्रांत किया। अमेरिका की दादागिरी बताकर दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश की, लेकिन उनके अहंकार और दादागिरी के कारण उनका हर दांव उल्टा पड़ता चला गया। आज डोनाल्ड ट्रंप अपने ही बनाये हुए मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे हैं, लेकिन अब वह सामान्य व्यक्ति की तरह जिंदा रह पाएंगे या नहीं, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दोस्ती उन्हें इतनी भारी पड़ेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। सत्ता के नशे में डूबे हुए डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी कुर्सी बचाने के लिए ही संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। दरअसल इजरायल के उकसावे पर उन्होंने ईरान पर हमला किया। उन्होंने ईरान पर वेनेजुएला की तरह कब्जा करने की कोशिश की। वहां पर विद्रोह करवाने की साजिश रची। लेकिन कहते हैं जब अंत समय आता है उस समय बुद्धि सबसे पहले खराब होती है। लगता है यही ट्रंप के साथ हुआ। जैसे ही ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता छोड़ने के लिए धमकाया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई। एक स्कूल में हमला करके 180 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी गई। उसके बाद लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर गया है। फिलिस्तीन में भी बड़ी संख्या में निर्दोष महिलाओं और बच्चों की हत्या इजरायल द्वारा की गई थी। बीमार, मजबूर लोगों तक खाना नहीं पहुंचने दिया गया। अस्पताल में इलाज करा रहे बच्चे, बुजर्ग और महिलाओं को हमला करके मार दिया गया। वही सब पाप अब दोनों नेताओं के अस्तित्व को समाप्त करने जा रहे हैं। ईरान युद्ध में अमेरिका पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया है। सभी सहयोगियों ने डोनाल्ड ट्रंप का साथ छोड़ दिया है। नाटो और यूरोपीय देशों को डोनाल्ड ट्रंप धमका रहे हैं, लेकिन इसका अभी कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन और इटली ने युद्ध में कूदने से इनकार कर दिया है। सारी दुनिया के देशों में हाहाकार मचा हुआ है। यहां तक कि खाड़ी के देश जहां अमेरिका ने एक तरह से अपना कब्जा जमा लिया था वह भी अमेरिका के पक्ष में खड़े नहीं हो रहे हैं। दूसरी ओर ईरान के पक्ष में चीन, रूस, उत्तर कोरिया और अन्य कई देश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खड़े होकर उसका समर्थन कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथी भी अब उनका साथ छोड़कर भाग रहे हैं। रही सही कसर अमेरिका में तेजी से बढ़ रही महंगाई पूरी किए दे रही है। बिना कांग्रेस की अनुमति के उन्होंने अपनी जिद में युद्ध शुरू कर लिया था। अमेरिका पर भारी कर्ज है। पिछले 20 दिनों में युद्ध में आर्थिक और सामरिक दृष्टि से जो नुकसान हुआ है उसके कारण अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों ही ट्रंप से नाराज है। वहीं एपिस्टिन फाइल ने भी बची हुई कसर को पूरी कर दी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जनाक्रोष बढ़ता चला जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप जो ईरान में आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता से अपदस्थ कराने की साजिश रच रहे थे अब वह सब अमेरिका में उनके साथ होता हुआ दिख रहा है। जो गड्ढा डोनाल्ड ट्रंप ईरान के सुप्रीमो के लिए खोद रहे थे अब वह गड्ढा उनके लिए तैयार हो गया है। जैसी करनी वैसी भरनी का सिद्धांत अब डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू पर लागू होता दिख रहा है।

पाक का काबूल पर कायराना हमला इंसानियत के लिये खतरा

सौरभ वार्ष्णेय

कहते है कि पवित्र रमजान का महीना आत्मसंयम, करुणा और इंसानियत की सेवा का संदेश देता है। ऐसे समय में काबुल पर हुआ कथित कायराना हमला न सिर्फ मानवीय मूल्यों का अपमान है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। जब दुनिया शांति और सह-अस्तित्व की बात कर रही हो, तब इस तरह की हिंसक घटनाएं सभ्यता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देती हैं।

रमजान का सार ही यह है कि इंसान अपने भीतर झांककर बुराइयों से दूर रहे और समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग को बढ़ावा दे। लेकिन काबुल में हुआ हमला इस पवित्र भावना के ठीक विपरीत है। निर्दोष लोगों की जान लेना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह न केवल एक देश की संप्रभुता पर हमला है, बल्कि पूरी मानवता के खिलाफ अपराध है। यदि इस हमले में किसी भी देश या तत्व की संलिप्तता साबित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बिना किसी भेदभाव के सख्त कदम उठाने चाहिए। आतंक और हिंसा के प्रति 'चयनात्मकइ रवैया ही ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देता है। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक मंचों पर एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ ठोस और निष्पक्ष नीति अपनाई जाए। दक्षिण एशिया पहले से ही अस्थिरता और अविश्वास के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं क्षेत्रीय शांति को और कमजोर करती हैं। यह समझना होगा कि युद्ध और हिंसा का रास्ता किसी समस्या का समाधान नहीं है। बातचीत, कूटनीति और आपसी विश्वास ही स्थायी शांति का आधार बन सकते हैं।आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम रमजान जैसे पवित्र अवसर पर भी इंसानियत का सम्मान नहीं कर सकते? काबुल की यह घटना हमें चेतावनी देती है कि अगर समय रहते हिंसा के इस चक्र को नहीं रोका गया, तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। यह समय है जब दुनिया को एकजुट होकर यह संदेश देना चाहिए कि इंसानियत सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार की हिंसा, चाहे वह किसी भी नाम पर हो, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। रमजान के इस पावन महीने में शांति, सहिष्णुता और मानवता के मूल्यों को पुनः स्थापित करना ही सच्ची श्रद्धा होगी।

यह हमला ऐसे समय में हुआ जब तीन देश आमने सामने खुलेआम मिसाइलों से हमले कर रहे हैं । इस युद्ध की वजह से पूर्ण विश्व महंगाई सहित अन्य चीजों से कराहा उठा है। कच्चे तेल ने खेल ही कर दिया। बात कर रहे हैं पाकिस्तान की जो कि अन्य देशों की तुलना में भुखमरी के कगार पर है ऐसे में वह काबुल पर असमय बमबारी कर रहा है मासूमों की जान ले रहा है। पूरा विश्व खामोशी के साथ यह सब देख रहा है। ज्ञात रहे कि पाकिस्तान को अपने आस्तीन में पालने वाले देश भी भलीभांति जान ले कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है सबसे पहले वही उस गड्ढे में गिरता है। ऐसा ही हाल उन देशों का हो रहा है जो अपने महान देश बनाने के चक्कर में शांति के लिये भी खतरा बनते जा रहे हैं। ऐसे पाकिस्तान देश कितने दिनों के हैं। जब दूसरे पर बम फोड रहे हैं तो दूसरा देश बदला तो लेगा ही। कहने का आशय है कि जो देश गरीबी में जी हरा है। वह अपने को विकास करने की जगह अपने को आग की भट्टी में झोंक रहा है।

भारत ने भी कड़े शब्दों में निंदा कर कहा है कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान द्वारा किया गया यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दर्शाता है। यह हमला रमजान के पवित्र महीने के दौरान किया गया, जो दुनिया भर के मुस्लिम समुदायों के लिए शांति, चिंतन और दया का समय होता है, जो इसे और भी निंदनीय बनाता है। ऐसा कोई धर्म, कोई कानून या कोई नैतिकता नहीं है जो किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जानबूझकर निशाना बनाने को उचित ठहरा सके। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस आपराधिक कृत्य के दोषियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा नागरिकों को निशाना बनाने का यह अंधाधुंध हमला तत्काल बंद हो।

पाकिस्तान को स्वयं अपने अंदर झांकना चाहिए। १९४७ से भारत से अलगहोकर पता नहीं क्यों अपने अंदर इतनी नफरत पाल ली है कि उसमें से वह निकलना नहीं चाहता ? दो भाई जब अलग होते हैं जो कि एक सामान्य सी प्रक्रिया है। हालांकि अलग होने में दर्द बहुत होता है लेकिन विस्तार के लिए यानी पाकिस्तान का जिसके लिए निर्माण हुआ वह १९४७ के बाद से आज तक दिखा नहीं? पाकिस्तान को भारत को कमजोर करने के लिए कुछ विदेशी ताकतें पोश रही है लेकिन भारत पूर्व में भी अपनी शांति का परिचय देता आया है लेकिन जब जब जरूरत पड़ी तब तब अदम्य साहस विकसितता का परिचय देता आया है।

अवैध तरीके से चल रहे ईंट भट्ठों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, भट्ठा संचालकों में हड़कंप

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर प्रदूषण नियंत्रण और अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को धनौरा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेश पर राजस्व विभाग और प्रदूषण विभाग की संयुक्त टीम ने कई ईंट भट्ठों पर छापेमारी कर उन्हें बंद कराया।

बता दें कि मंगलवार को नायब तहसीलदार योगेश कुमार और प्रदूषण अधिकारी सुरेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम शाहपुर रझेड़ा और मलकपुर भुर शुमाली पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि कई ईंट भट्ठे प्रदूषण विभाग की एनओसी (ठडउ) और रॉयल्टी जमा किए बिना अवैध रूप से संचालित हो रहे थे। बार-बार चेतावनी के बावजूद नियमों की अनदेखी

पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया।कार्रवाई के लिए टीम अपने साथ फायर ब्रिगेड और जेसीबी मशीन लेकर पहुंची थी। जिन भट्ठों के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले, उनकी आग को फायर ब्रिगेड की मदद से बुझा दिया गया। साथ ही, जेसीबी मशीन चलाकर भट्ठों की चिमनियों और निर्माण ढांचों को आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया गया ताकि उनका संचालन तुरंत रोका जा सके।नायब तहसीलदार योगेश कुमार ने कहा, "नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी ईंट भट्ठे को बख्शा नहीं जाएगा। बिना रॉयल्टी और प्रदूषण विभाग की अनुमति के कार्य करना दंडनीय अपराध है।"प्रशासन की इस अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य भट्ठा स्वामियों में हड़कंप मच गया। कई संचालक कार्रवाई की भनक लगते ही मौके से खिसक गए।प्रदूषण अधिकारी सुरेश कुमार त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करने वाले और राजस्व की चोरी करने वाले संचालकों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत अमरोहा देहात क्षेत्र में आरएएफ व पीएसी ने पुलिस बल के साथ निकाला फ्लैग मार्च

अमरोह (सब का सपना):- आगामी त्योहारों के दृष्टिगत अमरोहा देहात क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में क्षेत्र में आरएएफ एवं पीएसी ने पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण किया। इस फ्लैग मार्च के माध्यम से पुलिस ने आगामी त्यौहार ईद उल फितर एवं रामनवमी आदि के दृष्टिगत क्षेत्र में सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया।

बता दें कि पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश अनुसार क्षेत्राधिकारी नौगांवा सादात द्वारा उप जिला अधिकारी सदर के साथ आगामी त्योहारों ईद उल फितर एवं रामनवमी आदि के दृष्टिगत जनपद विभाग में शांति सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु अमरोहा देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मिलक पापडी में एआरएफ पीएससी एवं

थाना पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया गया।

फ्लैग मार्च के दौरान गावों में महत्तवपूर्ण स्थानों बाजारो सहित विभिन्न भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए शांति एवं सौहार्द के साथ त्यौहार मनाने की अपील की गई। इसके अतिरिक्त, जनपद के संवेदनशील स्थलों पर ड्रोन कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी सतर्क दृष्टि रखी जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उपरोक्त फलैगमार्च में क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात, उपजिलाधिकारी सदर, प्रभारी निरीक्षक थाना अमरोहा देहात सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

चैत्र अमावस्या पर बृजघाट एवं तिगरी गंगा धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, गूंजे हर-हर गंगे के जयकारे

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में चैत्र अमावस्या के अवसर पर बृजघाट और तिगरी गंगा धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। इस दौरान 'हर-हर गंगे' के जयकारों से गंगा घाट गूंज उठे। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कई श्रद्धालुओं ने पितरों की आत्मा की शांति के लिए गंगा किनारे हवन-यज्ञ भी कराए और पुरोहितों को वस्त्र व भोजन आदि दान किए।

बता दें कि बुधवार को बृजघाट और तिगरी गंगा धाम के घाटों पर साधु-

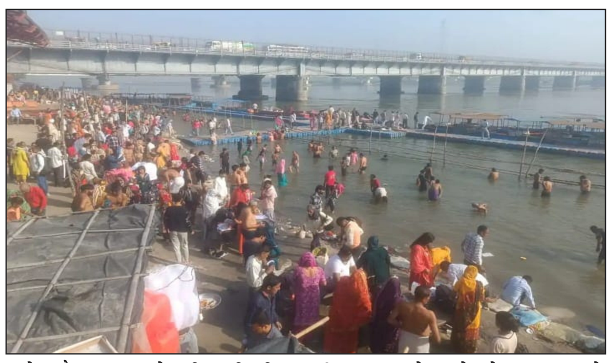

संतों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। महिलाओं और बुजुर्गों में भी स्नान को लेकर उत्साह देखा गया। श्रद्धालु सुबह तड़के से ही स्नान के लिए पहुंचने लगे थे।बृजघाट में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान जैसे राज्यों के अलावा मेरठ, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल, रामपुर और बिजनौर सहित विभिन्न जनपदों से श्रद्धालु पहुंचे थे। कुछ श्रद्धालु मंगलवार रात ही बृजघाट पहुंच गए थे और उन्होंने ब्रह्म मुहूर्त में स्नान किया।

इन श्रद्धालुओं ने अनुष्ठान कर घर में सुख-शांति की कामना की और जरूरतमंदों को दान दिया।तिगरी गंगा धाम में भी गजरौला शहर और आसपास के गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। उन्होंने गंगा स्नान किया और हवन-यज्ञ कराए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और घाटों पर पुलिस बल तैनात रहा।

धनौरा क्षेत्र में मिला कुपोषित बच्चा, बेहतर उपचार के लिए किया NRC रेफर

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण क्षेत्रों से कुपोषण समाप्त करने के लिए जनपद भर में सक्रिय है। इसी क्रम में बुधवार को सीएचसी धनौरा की टीम ने ग्राम मड़ैया में स्वास्थ्य शिविर के दौरान एक गंभीर रूप से कुपोषित बच्चे की पहचान की। बच्चे की स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल एम्बुलेंस के माध्यम से बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल अमरोहा भेजा गया है।

बता दें कि बुधवार को सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल कुमार के निर्देशन में विभाग की विशेष टीमें लगातार ग्रामीण अंचलों का दौरा कर रही हैं। बुधवार को आयोजित इस स्वास्थ्य

शिविर में डॉ. अनामिका चौधरी के नेतृत्व में टीम ने ब्राह्मण वाली मड़ैया गांव में स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसी दौरान एक बच्चे को अत्यधिक कुपोषित पाया गया। डॉक्टर ने तत्काल परिजनों को बच्चे की स्थिति की गंभीरता समझाई और उच्च स्तरीय इलाज के लिए प्रेरित किया।स्वास्थ्य टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चे को जिला अस्पताल के पोषण पुनर्वास केंद्र (ठफ्ळ) में भर्ती कराया है। डॉ. अनामिका चौधरी ने बताया कि एनआरसी में विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में बच्चे को विशेष डाइट और दवाइयां दी जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि जागरूकता की कमी के कारण अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे कुपोषण का शिकार हो जाते हैं, जिन्हें सही समय पर डॉक्टरी सलाह की आवश्यकता होती है।सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल कुमार ने कहा कि विभाग का मुख्य लक्ष्य क्षेत्र के हर कुपोषित बच्चे तक पहुंचना है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि यदि आसपास कोई बच्चा शारीरिक रूप से कमजोर दिखाई दे, तो तुरंत स्वास्थ्य केंद्र को सूचित करें। इस अभियान में डॉ. सीमा गौरव, डॉ. कुलदीप शर्मा, दीपा यादव सहित स्थानीय आशा कार्यकताओं का विशेष सहयोग रहा।

धनौरा पुलिस ने 3.30 लाख के जेवरों के साथ युवक को किया गिरफ्तार, 36 घंटों में किया चोरी का खुलासा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की थाना मंडी धनौरा पुलिस ने 36 घंटे के भीतर चोरी की एक बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 3 लाख 30 हजार रुपये कीमत के सोने-चाँदी के आभूषण बरामद किए हैं। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश पुलिस के 'जीरो टॉलरेंस' अभियान के तहत की गई।

बता दें कि प्राप्त जानकारी के मुताबिक चोरी 14 मार्च 2026 की रात थाना क्षेत्र के एक घर में हुई थी। पीड़ित की शिकायत पर 15 मार्च को मंडी धनौरा थाने में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए,

उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीमें लगातार संदिग्धों की तलाश में जुटी थीं।पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी में शामिल आरोपी राम गंगा पोषक नहर की पटरी के पास यूकेलिप्टस के पेड़ों के झुरमुट में किसी का इंतजार कर रहा है और चोरी का माल बेचने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी कर 26 वर्षीय भोलू पुत्र करन सिंह, निवासी ग्राम चुचैला को गिरफ्तार कर लिया।आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से चोरी के भारी मात्रा में आभूषण बरामद हुए। इनमें सोने के एक जोड़ी टोपस, एक मंगलसूत्र, दो जोड़ी झुमके और एक जोड़ी बाली शामिल हैं। चांदी के आभूषणों में तीन जोड़ी पाजेब, एक चैन मय लॉकिट, तीन अंगूठी, दो जोड़ी बिछवे और एक ढोलना-तबीज बरामद किए गए।इस सफल कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह, उप-निरीक्षक संजीव कुमार, हेड कांस्टेबल मानसिंह, अरविंद, और कांस्टेबल अंकित बालियान व शुभम कटारिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। स्थानीय जनता ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत शिक्षा से वंचित 02 बच्चों का प्राथमिक विद्यालय में कराया गया नामांकन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में मिशन शक्ति केन्द्र टीम द्वारा मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के अंतर्गत शिक्षा से वंचित 02 बच्चों का प्राथमिक विद्यालय में नामांकन कराया गया। जिसके बाद से नामांकन करायें गए बच्चों व उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी का माहौल देखने को मिला।

बता दें कि बुधवार को मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के अंतर्गत मिशन शक्ति केन्द्र टीम थाना मण्डी धनौरा द्वारा शिक्षा से वंचित 02 बच्चों को चिन्हित कर उनका नामांकन प्राथमिक विद्यालय में कराया गया।

नामांकन कराये गए बच्चों में तन्वी पुत्री सोनू निवासी मोहल्ला कंचन बाजार उम्र लगभग 05 वर्ष एवं देवा पुत्र चूच्चू निवासी मोहल्ला कंचन बाजार उम्र लगभग 06 वर्ष को चिन्हित कर परिजनों तथा उन्हें शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया तथा प्राथमिक विद्यालय नं0-2 धनौरा ले जाकर उनका विधिवत पंजीकरण कराया गया।

इस कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। मिशन शक्ति टीम प्रभारी महिला उप निरीक्षक मोनिका तोमर, महिला हेड कांस्टेबल 221 दुर्गावती तथा महिला कांस्टेबल 512 नीलम द्वारा कस्बा मण्डी धनौरा क्षेत्र में भ्रमण के दौरान शिक्षा से वंचित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें विद्यालय से जोड़ते हुए नामांकन सुनिश्चित कराया गया।

प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूरे होने पर अमरोहा में भव्य कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा (सब का सपना)। उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूरे होने पर मंगलवार को अमरोहा में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्यमंत्री (वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन) के.पी. मलिक मुख्य अतिथि रहे। उनके सान्निध्य में लखनऊ के राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया और 9 दिवसीय मेले का औपचारिक उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। जीजीआईसी, शर्मा इंटर कॉलेज और

सेंट मैरीज स्कूल की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने सराहा। मंत्री मलिक ने विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की जानकारी ली और लाभार्थियों को किट, प्रमाणपत्र व चेक वितरित किए। कृषि, उद्यान, पीएमएफएमई, विश्वकर्मा श्रम सम्मान और सीएम युवा उद्यमी योजना के चयनित हितग्राहियों को सहायता दी गई। चप्पल निर्माण के लिए 2.5 लाख और टेंट कार्य के लिए 2.57 लाख के चेक प्रदान किए गए। अपने संबोधन में राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढाँचा, पर्यटन और जनकल्याणकारी योजनाओं में हुई प्रगति को रेखांकित किया।

शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लों तथा विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने भी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। जिलाधिकारी ने बताया कि अमरोहा में पीएम किसान, प्रधानमंत्री आवास, पेंशन, आयुष्मान भारत और उज्ज्वला जैसी योजनाओं से लाखों लोग लाभान्वित हुए हैं। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, ब्लॉक प्रमुखगण और जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

टूल किट्स (विद्युत चालित चाक) वितरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि विकास भवन परिसर में उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड /उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा माटीकला कार्य में लगे कुम्हार / परम्परागत कारीगरों, उद्यमियों / शिल्पियों के समन्वित विकास हेतु माटीकला विपणन विकास सहायता एवं प्रचार-प्रसार योजना के अन्तर्गत एक दिवसीय माटीकला जागरूकता एवं टूल किट्स (विद्युत चालित चाक) वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेन्द्र सिंह द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित समस्त योजनओं की जानकारी प्रदान की गयी। निखिल जैन (प्रतिनिधि) द्वारा आम जनमानस से माटीकला उत्पादों के उपयोग का आवाहन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी

कुमार मिश्र द्वारा प्रतिभागियों से सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने की अपेक्षा करते हुए उन्हें ऋण प्रदान कराने में सहयोग का आश्वासन प्रदान किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम के साथ-साथ माटीकला टूल किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत 35 लाभार्थियों के अतिरिक्त 10 पॉकार्न मैकिंग मशीन तथा 08 दोना मैकिंग मशीन को श्री निखिल जैन, व अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विद्युत चालित चाको का निःशुल्क वितरण किया गया।

कार्यक्रम में डॉ शिवशंकर यादव, चित्रकला प्रवक्ता, जे०एस० हिन्दु इण्टर कॉलेज, अमरोहा द्वारा माटीकला में माटी उत्पादों पर रंग संयोजन एवं विभिन्न सजावटी उत्पाद प्राकृतिक रूप से तैयार करने के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी तथा विभिन्न प्रकार के रसायन युक्त उत्पाद तैयार न करने के लिए आहवान किया गया। डॉ विरेन्द्र कुमार शुक्ला, हिन्दी प्रवक्ता, जे०एस० हिन्दु इण्टर कॉलेज, अमरोहा द्वारा मंच का संचालन के साथ-साथ माटीकला के सम्बन्ध में विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में निखिल जैन (प्रतिनिधि) शशि जैन, माननीय अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, अमरोहा, एवं अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी, अमरोहा अतिथियों के रूप में और अवनीश कुमार श्रीवास्तव जिला उद्यान अधिकारी अमरोहा, डा० चमन प्रकाश डिप्टी सी०वी०ओ० विपिन त्यागी साहयक अभियन्ता लघुसिचाई अमरोहा, राकेश सिहं जिला प्रोवेशन अधिकारी के०बी० सिहं खनन अधिकारी उत्तम प्रजापति उपस्थित रहें तथा स्वाधीन कुमार, वरिष्ठ सहायक, आशीष कुमार, तकनीकी सहायक, सुमित यादव व कौशल कुमार द्वारा कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग प्रदान किया गया।

हीट वेव एवं अत्यधिक गर्मी से पशु-पक्षियों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

अमरोहा (सब का सपना): – गर्मी के तीखे तेवर और लू के खतरे को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पशु-पक्षियों की सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि अत्यधिक तापमान से जीवों में निर्जलीकरण, थकावट, हीट स्ट्रोक और मृत्यु तक का जोखिम बढ़ जाता है। प्रशासन ने अपील की है कि पशुओं को छायादार स्थान पर बांधा जाए और दिन में कई बार ठंडा, स्वच्छ पानी दिया जाए। पशुशालाओं में हवादार प्रबंध के साथ छत पर घास-फूस या टाट डालने की सलाह दी गई है। दोपहर 12 से 4 बजे के बीच चराने से बचें, हल्का-सुपाच्य और हरा चारा दें तथा समय-समय पर शरीर पर पानी का छिड़काव करें। बीमार, गर्भवती और छोटे पशुओं पर विशेष नजर रखें और सुस्ती, तेज साँस, मुँह से लार या गिरने जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें। पक्षियों के लिए घरों की छतों, आंगन और पार्कों में पानी से भरे परिंडे रखें, दाना-पानी छाँव में रखें और बर्तनों को रोज साफ कर ताजा पानी भरें। पेड़-पौधों की कटाई घटाकर प्राकृतिक छाया बनाए रखने को भी

कहा गया। घायल या कमजोर पक्षी मिले तो छाँव-पानी देकर वन विभाग या पशु चिकित्सक को सूचित करें। जिलाधिकारी ने नागरिकों से इसे सामाजिक दायित्व मानकर सार्वजनिक स्थलों पर परिंडे लगाने का आग्रह किया। संकटग्रस्त पशु-पक्षी दिखें तो तुरंत संबंधित विभाग को सूचित करें। प्रशासन की अपील है कि हीट वेव के दौरान संवेदनशीलता बरतें और जीव-जंतुओं के संरक्षण में सहयोग दें।

अमरोहा में जनगणना-2027 हेतु फील्ड ट्रेनर्स का द्वितीय बैच प्रशिक्षण सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण गृह-सूचीकरण एवं मकान गणना को लेकर जनपद में फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण का दूसरा बैच सफलतापूर्वक पूरा हुआ। पहला बैच 11 से 13 मार्च तक चला, जबकि द्वितीय बैच 16 से 18 मार्च को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना की पूरी प्रक्रिया, डिजिटल डेटा संग्रह के

लिए मोबाइल ऐप का प्रयोग, भवन व मकान सूचीकरण, परिवार गणना और सर्वेक्षण कार्य की बारीकियाँ सिखाई गईं। मास्टर ट्रेनर्स ने डेटा की सटीकता, समयबद्धता और कार्य के महत्व पर विशेष जोर दिया। साथ ही फील्ड में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं और उनके समाधान पर भी मार्गदर्शन दिया गया। कुल 32 फील्ड ट्रेनर्स को व्यवहारिक अभ्यास और क्षेत्रीय सर्वेक्षण का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के बाद ये ट्रेनर्स अपने-अपने इलाकों में प्रगणकों को तैयार करेंगे, जिससे आगामी जनगणना कार्य सुचारु और विश्वसनीय रूप से संपन्न हो सके।

जिला कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण, बंदियों की सुविधाओं का लिया जायजा

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सम्भल (चन्दौसी) डॉ. विदुषी सिंह ने बुधवार को जिला कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बंदियों की कुल संख्या, विचाराधीन व दोषसिद्ध कैदियों की स्थिति, आवास व्यवस्था, स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, प्रकाश एवं वेंटिलेशन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया गया। जेल अस्पताल का निरीक्षण कर दवाओं की उपलब्धता, स्वास्थ्य परीक्षण तथा संक्रामक रोगों से बचाव की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। अध्यक्ष ने बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और पात्र बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने, विधिक साक्षरता शिविर आयोजित करने तथा विचाराधीन मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही जेल प्रशासन को बंदियों के मानवाधिकारों की रक्षा एवं जेल मैनुअल के पालन के निर्देश दिए गए।

महिला बैरक के निरीक्षण के दौरान पौष्टिक भोजन, बच्चों के लिए दूध, शिक्षा, साफ-सफाई व दवा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जेल लीगल एड क्लीनिक का भी निरीक्षण कर बंदियों को विधिक सहायता के प्रति जागरूक किया गया।

इस दौरान प्रभारी सचिव दीपक कुमार जायसवाल, जिलाधिकारी राजेन्द्र पैसिंया, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, जेल अधीक्षक आलोक सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक संपन्न, एक परिवार का हुआ पुनर्मिलन

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को चंदौसी स्थित गौशाला रोड, पिंक चौकी परिसर में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता केंद्र प्रभारी डॉ. रूकम पाल सिंह ने की।

बैठक में पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को सुलझाने के लिए काउंसलरों की टीम ने दोनों पक्षों को समझाकर सुलह कराने का प्रयास किया। इस दौरान कुल 20 प्रकरणों (पत्रावलियों) की सुनवाई की गई, जिनमें से 4 मामलों का निस्तारण किया गया। विशेष रूप से एक परिवार को आपसी सहमति के आधार पर पुन मिलाने में सफलता मिली।

इसके अलावा 3 मामलों में पक्षकारों द्वारा रुचि न लेने के कारण संबंधित पत्रावलियों को बंद कर दिया गया। शेष मामलों में आगे की सुनवाई के लिए तिथि निर्धारित की गई। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, पूनम अरोरा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, मनोहर सिंह एवं रुचि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नौ दिवसीय जनजागरण, प्रदर्शनी एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रोडवेज बस स्टैंड बहजोई में 18 से 26 मार्च तक आयोजित होने वाले 9 दिवसीय जनजागरण, प्रदर्शनी एवं संवाद कार्यक्रम का बुधवार को शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया, पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की तथा विभिन्न विभागों,उद्यान, कृषि, पशुपालन, आईसीडीएस, उद्योग एवं शिक्षा विभाग द्वारा लगाई गई योजनाओं से संबंधित स्टॉलों का अवलोकन किया।

इस दौरान लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा ह्यनवनिर्माण के 9 वर्षह्न विषय पर पुस्तक विमोचन का सजीव प्रसारण भी देखा गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में प्रदेश में बीते नौ वर्षों में हुए विकास कार्यों, बेहतर कानून व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को प्रमुखता से बताया। कार्यक्रम के अंतर्गत खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया तथा कृषि विभाग की ओर से सोलर लाइट और बीज किट वितरित की गई। वहीं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए लाभार्थियों को विभिन्न मशीनें भी प्रदान की गईं।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जामा मस्जिद दरबार में 27वीं शब-ए-तरावीह पर कुरआन मुकम्मल, अमन-चैन की दुआ

सम्भल(सब का सपना):- उपनगरी सराय तरीन के मोहल्ला दरबार स्थित जामा मस्जिद में 27वीं शब-ए-तरावीह के मौके पर कुरआन-ए-पाक मुकम्मल किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर इबादत में हिस्सा लिया।

जामा मस्जिद दरबार के इमाम व खतीब हजरत मौलाना व मुफ़्ती मुहम्मद रियाज उल हक कासमी ने अपने बयान में कहा कि अल्लाह तआला बेहद गफूरुर्रहीम है और अपने बंदों से बेहद मोहब्बत करता है। उन्होंने कहा कि जो इंसान सच्चे दिल से तौबा करता है और गुनाहों से बचने का पक्का इरादा करता है, अल्लाह उसके तमाम गुनाह माफ कर देता है। इसलिए किसी को भी अल्लाह की रहमत से मायूस नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कुरआन-ए-पाक की अहमियत बयान करते हुए कहा कि यह एक आसमानी किताब है, जो इंसानियत को मोहब्बत, भाईचारे और आपसी मदद का पैगाम देती है। साथ ही हर तरह की बुराइयों से दूर रहने की हिदायत देती है।

मुफ़्ती साहब ने कहा कि तरावीह रमजान में पढ़ी जाती है, लेकिन रमजान के बाद भी नमाज और कुरआन की तिलावत को अपनी ज़िंदगी का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने नशाखोरी और अन्य बुराइयों से दूर रहने तथा समय की कद्र करने की भी नसीहत दी।

इसके साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि अपने हमवतन भारतीय भाइयों के साथ प्यार, मोहब्बत और सम्मान के साथ पेश आएं तथा सभी मजहबों का आदर करें, जिससे समाज में अमन-ओ-चैन और भाईचारा कायम रहे।

बयान के बाद सामूहिक दुआ कराई गई, जिसमें पूरी दुनिया में अमन-शांति, आपसी भाईचारा, गुनाहों की माफी और नेक रास्ते पर चलने की दुआ मांगी गई। अंत में अकीदतमंदों में मिठाई भी वितरित की गई।

इस मौके पर वसीम खान, जका उल्लाह खान, मुशर्रफ खान, फाज़िल सैफी, हाजी अराफात, काशिफ खान, मु. शाकिर सैफी, हाफि ज साकिब, नाज़िश मियां, मु. मदस्सीर, सलीम खान सहित कई लोग मौजूद रहे।

मंजू वाल्मीकि के नामित सभासद बनने पर किया गया सम्मान समारोह

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- स्थानीय सफाई कर्मचारी संघ के बैनर तले नगर अध्यक्ष रितु चौहान के नेतृत्व में बुधवार को मोहल्ला शोभा नगर में मंजू वाल्मीकि के नामित सभासद बनाए जाने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिला अध्यक्ष अजय कुमार राजवर ने कहा कि वाल्मीकि समाज ने हमेशा समाज और देश को दिशा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जब-जब इस समाज के हाथ में कलम आई है, तब-तब इतिहास रचा गया है।

उन्होंने आशा जताई कि मंजू वाल्मीकि सभासद के रूप में समाज हित में बेहतर कार्य करेंगी और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। विशिष्ट अतिथि विक्की राज एडवोकेट ने भी संबोधित करते हुए प्रदेश स्तर पर वाल्मीकि समाज के नामित सभासदों का रामपुर में सम्मान करने की घोषणा की।

वहीं जिला मंत्री विशाल वाल्मीकि और जिला कोषाध्यक्ष अनिल राधे गुड्डू ने भाजपा द्वारा वाल्मीकि समाज को प्रतिनिधित्व देने को सबका साथ, सबका विकास की भावना को मजबूत करने वाला कदम बताया। कार्यक्रम का संचालन कैलाश चंद चटवाल ने किया, जबकि अध्यक्षता शिव कुमार राही ने की। समारोह में अनिल राज, रजत, सोनू, देवेंद्र राजोरिया, राजू राजोरिया, वैशु सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आर.आर.के स्कूल चंदौसी में क्रिएटिव किड्स कार्निवल धूमधाम से संपन्न

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- सीता आश्रम रोड स्थित आर.आर.के स्कूल के तत्वावधान में बुधवार को क्रिएटिव किड्स कार्निवल का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में 2 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्निवल में क्रिएटिव कॉर्नर्स, लाइव परफॉर्मेंस, जाम गेम्स, डेक मैजिक, फूड कोर्ट, फन फेयर, हॉर्स राइडिंग और कार राइडिंग जैसे आकर्षक आयोजन किए गए, जिनका बच्चों और अभिभावकों ने भरपूर आनंद लिया। नन्हे-मुन्नों ने शिव तांडव, सोलो डांस, गीत, फ्री हैंड पेंटिंग, ब्लॉक पेंटिंग और क्ले एक्टिविटी के जरिए अपनी कला का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। इस दौरान कोठीवाल डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, मुरादाबाद की टीम ने बच्चों का दंत परीक्षण कर उन्हें ओरल हेल्थ के प्रति जागरूक किया। वहीं कक्षा 11 के छात्र सूर्यांश शर्मा ने डेक मैजिक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की प्राकृतिक प्रतिभाओं को निखारना, उनमें आत्मविश्वास, टीमवर्क और जिम्मेदारी जैसे गुणों का विकास करना तथा उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में आगे बढ़ने का मंच प्रदान करना रहा।

मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख बनियाखेड़ा डॉ. सुगंधा सिंह तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. टी.एस. पाल, मनोज कठेरिया और अंकुर अग्रवाल ने कार्यक्रम में पहुंचकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. संजय कुमार पाण्डेय एवं उप-प्रधानाचार्य डॉ. अर्चना शर्मा ने सभी शिक्षकों, अभिभावकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

त्योहारों को लेकर व्यापार मंडल ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, बेहतर व्यवस्थाओं की मांग

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल युवा इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को तहसील पहुंचकर उप जिलाधिकारी आशुतोष तिवारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आगामी नवरात्रि (19 मार्च) और ईद (20 मार्च) के मद्देनजर नगर में बिजली, पानी और सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने की मांग की गई। व्यापारियों ने मांग की कि नगर पालिका को निर्देशित कर मंदिरों और मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। साथ ही त्योहारों के दौरान पानी की बढ़ती जरूरत को देखते हुए जलापूर्ति का समय बढ़ाने की भी मांग रखी गई। विद्युत विभाग से बिजली कटौती मुक्त आपूर्ति सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया गया। इसके अलावा मंदिरों के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने, भीड़भाड़ वाले बाजारों में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और अस्थायी अतिक्रमण हटाने की भी मांग की गई, ताकि श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। व्यापारियों ने एसडीएम से अपेक्षा जताई कि प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी, जिससे नगरवासी अपने-अपने त्योहार हर्षोल्लास के साथ मना सकें। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश पदाधिकारी शाह आलम, युवा जिला अध्यक्ष सागर गुप्ता, युवा नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय, इरफान खान, सुफियान शमसी, मोहित सक्सेना, सचिन शर्मा और गौरव अग्रवाल आदि शामिल रहे।

खजूर वाली मस्जिद में 27वीं शब पर कुरआन मुकम्मल, दुआओं के साथ सम्पन्न हुआ कार्यक्रम

सम्भल(सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शेर खाँ सराय मण्डी किशन दास स्थित खजूर वाली मस्जिद में 27वीं शब-ए-तरावीह के मौके पर कुरआन-ए-करीम मुकम्मल किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे और इबादत में शामिल हुए। माह-ए-रमजान की फजीलत बयान करते हुए उलेमाओं ने कहा कि यह महीना रहमत, मगफिरत और जहन्नुम से निजात का महीना है। हाफिज आदिल ने नमाज-ए-तरावीह में पूरा कुरआन सुनाया, जिस पर उनका गुलपोशी कर सम्मान किया गया और नजराना पेश किया गया। कुरआन मुकम्मल होने के बाद नात-ए-पाक और सलातो-सलाम पेश किया गया।

इस मौके पर हाफिज सदफ ने कहा कि कुरआन मजीद वह पवित्र किताब है जिसकी हिफाजत का जिम्मा खुद अल्लाह ने लिया है और यह कयामत तक इंसानियत के लिए हिदायत का जरिया है। मस्जिद के इमाम मौलाना इस्माइल ने रमजान के तीन अशरों की अहमियत बताते हुए कहा कि पहला रहमत, दूसरा मगफिरत और तीसरा जहन्नुम से आजादी का होता है। उन्होंने शबे-कद्र की फजीलत, रोजे की अहमियत और इफ्तार के समय दुआ की कबूलियत पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में मुल्क व शहर में अमन-चैन के लिए दुआ कराई गई तथा सभी को मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर सदफ हाफिज, इस्लाम अशरफी, मोहसिन अशरफी, अफाक अशरफी, नौशाद अशरफी, चमन अशरफी, मौलाना काजिम अशरफी, शाने आलम अशरफी, नाजिर अशरफी, हसन नवाज अशरफी, कमरुज्जमा अशरफी, तनवीर हुसैन अशरफी, मुत्तालिब अशरफी, शराइफ अशरफी, शादाब अशरफी, शहरोज अशरफी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एडेड जूनियर हाईस्कूलों में 'शिक्षा का संकट': 5 सालों से भर्तियां बंद

प्रयागराज (एजेंसी) प्रदेश के सहायता प्राप्त (एडेड) जूनियर हाईस्कूलों में प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापकों की भारी कमी से शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रदेश के सहायता प्राप्त (एडेड) जूनियर हाईस्कूलों में प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापकों की भारी कमी से शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। वर्ष 2019 के बाद से नई भर्तियां नहीं होने से प्रदेश के हजारों विद्यालय शिक्षक संकट से जूझ रहे हैं, जिससे पठन-पाठन प्रभावित हो रहा है। प्रदेश में 3049 सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल हैं। नियमानुसार इनमें 1438 प्रधानाध्यापक और 8656 सहायक अध्यापकों के पद होने चाहिए, लेकिन काफी संख्या में पद खाली पड़े हैं। होने जा रहे हैं। इससे यह संकट और गहरा सकता है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2019 तक भर्तियां हुई थीं, लेकिन 31 अक्तूबर 2019 को भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई। दिसंबर 2019 में लिपिक और परिचायक की भर्तियों के लिए नई नियमावली बनाई गई। साथ ही जिन विद्यालयों में छात्रों की संख्या 100 से कम है, वहां प्रधानाध्यापक का पद समाप्त कर केवल तीन अध्यापकों की तैनाती का प्रावधान कर दिया गया। ऐसे विद्यालयों में न तो परिचायक और न ही लिपिक की नियुक्ति का नियम रखा गया है। मार्च 2020 में प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापकों की भर्ती के लिए अधियाचन भेजे जाने के बाद वर्ष 2021 में प्रधानाध्यापक के 390 और सहायक अध्यापकों के 1507 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। निदेशालय के अनुसार, सहायक अध्यापक के 1504 और प्रधानाध्यापक के 390 पदों पर आवेदन मांगे गए थे। हालांकि पिछले वर्ष सत्यापन के दौरान सहायक अध्यापकों के 1262 और प्रधानाध्यापकों के 253 कर दिए गए। रामकुमार भारद्वाज बनाम उत्तर प्रदेश सरकार मामले में 19 फरवरी को उच्च न्यायालय के आदेश के बाद उच्चीकृत विद्यालयों का सत्यापन कराया गया। इसके बाद रिक्त पदों की संख्या और घटा दी गई। सूत्रों के अनुसार, अब भर्ती करीब 635 सहायक अध्यापक और लगभग 200 प्रधानाध्यापक पदों तक सीमित हो सकती है। उधर, अपर शिक्षा निदेशक कामता प्रसाद पाल का कहना है कि वर्तमान में भर्तियों पर रोक लगी हुई है, जबकि हर वर्ष बड़ी संख्या में प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक सेवानिव

महिला सभा ने राज्यपाल के नाम महंगाई व गैस सिलेंडर कालाबाजारी के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी महिला सभा, जिला सम्भल की ओर से बुधवार को महामहिम राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुनीता यादव के नेतृत्व में दिया गया। ज्ञापन में जिले में बढ़ती महंगाई, रसोई गैस सिलेंडर की कमी और कालाबाजारी पर चिंता जताते हुए इसका कड़ा विरोध किया गया। महिला सभा ने मांग की कि गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा पर्याप्त मात्रा में सिलेंडरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे आम जनता को राहत मिल सके। इस दौरान पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी, दर्शना देवी, सावित्री देवी, दुर्गेश दिवाकर, रीमा दिवाकर, कंचन राजोरिया, कृष्ण मुरारी शंखधार, जिला महासचिव उमेश दिवाकर, शोभित कुमार, काका सद्दाम कुरैशी, नीरज यादव, अशोक राणा, अकरम भाई, वीरपाल सिंह यादव, भूरे भाई, दानवीर सिंह, अर्जुन सिंह, आशीष शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युद्ध की आग में झुलसा संभल का हस्तशिल्पः कंटेनर के दाम दोगुने, इंश्योरेंस कंपनियों ने मोड़ा मुंह

सरायतरीन (संभल)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के युद्ध का सीधा असर संभल के हस्तशिल्प कारोबार पर पड़ रहा है। शिपिंग कंपनियों ने जोखिम का हवाला देकर कंटेनरों पर अतिरिक्त शुल्क लगा दिया है। बड़े कंटेनर पर करीब तीन लाख रुपये और छोटे कंटेनर पर डेढ़ लाख रुपये तक अतिरिक्त चार्ज वसूला जा रहा है, जिससे निर्यातकों का मुनाफा लगभग खत्म हो गया है। वहीं, माल का बीमा करने वाली कंपनियां जोखिम बढ़ने से अब करार तोड़ रही हैं या नई शर्तों के साथ बीमा कर रही हैं।

वहीं युद्ध के चलते नए आर्डर मिलने बंद हो गए हैं और पहले से मिले कई आर्डर भी होल्ड करा दिए गए हैं। जो माल भेजा जा चुका है, वह रास्ते में फंस गया है। इससे मुश्किलें बढ़ती जा रही है।निर्यातकों का कहना है कि संभल का हस्तशिल्प उद्योग मुख्य रूप से अमेरिका के साथ पश्चिम एशिया पर निर्भर है। पिछले वित्तीय वर्ष में करीब चार हजार करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत निर्यात शामिल था।

पहले अमेरिका के टैरिफ का असर पड़ा और अब युद्ध ने हालात और बिगाड़ दिए हैं।

अगर जल्द हालात सामान्य नहीं हुए तो छोटे कारोबारियों के लिए टिक पाना मुश्किल हो जाएगा। उनका मानना है कि लंबे समय तक युद्ध जारी रहा तो संभल का यह उद्योग गंभीर आर्थिक संकट में फंस सकता है।हैंडीक्राफ्ट कारोबारियों के मुताबिक मिडिल ईस्ट के देश बहरीन, मिस्त्र, ईरान, इराक, इस्त्राइल, जार्डन, कुवैत, लेबनान, ओमान, फिलिस्तीन, कतर, सऊदी अरब, सीरिया, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात और यमन आदि में भी संभल में तैयार होने वाले हड्डी सींग के गिफ्ट आइटम (खुशबू दान, फ्लोवर पोर्ट, अलग-अलग डिजाइन की ज्वैलरी इत्यादि) का निर्यात किया जाता है।

नूरपुर में बिंदल शुगर मिल पर इनकम टैक्स की छापेमारी, 25 ठिकानों पर एक साथ मारे गए छापे

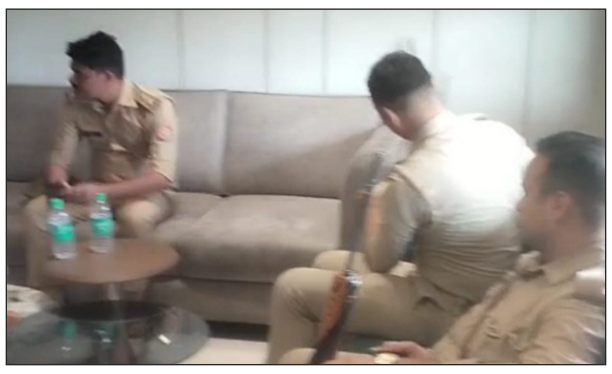

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम चांगीपुर स्थित बिंदल शुगर मिल पर इनकम टैक्स विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। जानकारी के अनुसार मिल से जुड़े करीब 25 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे गए हैं। छापेमारी की कार्रवाई एडीआई विक्रमजीत सिंह के नेतृत्व में की जा रही है। टीम द्वारा मिल से जुड़े दस्तावेजों और लेन-देन की गहन जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई अभी जारी है और कल तक चलने की संभावना है। फिलहाल अधिकारी इस संबंध में कोई जानकारी देने से बच रहे हैं, लेकिन उन्होंने कार्रवाई पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी देने का आश्वासन दिया है। यह पूरी कार्रवाई बिजनौर जनपद के नूरपुर क्षेत्र स्थित चांगीपुर गांव में संचालित बिंदल शुगर मिल से जुड़ी बताई जा रही है।

पुलिस ने चोरी के आरोपी को दबोचा, आईफोन और गैस सिलेंडर बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया आईफोन और गैस सिलेंडर भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार एक स्थानीय निवासी ने शिकायत दी थी कि उसके घर से मोबाइल फोन और गैस सिलेंडर चोरी हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की गई।

विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी तसलीम उर्फ जीन्द निवासी ग्राम मेवाजट को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी के पास से चोरी किया गया आईफोन और इंडेन गैस सिलेंडर बरामद हुआ है। पुलिस का कहना है कि आरोपी पहले भी आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं इस सफलता को लेकर पुलिस टीम की सराहना की जा रही है, जिसने समय रहते घटना का खुलासा कर पीड़ित को राहत दिलाई।

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक यशदेव शर्मा सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की अहम भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हत्या के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना पुलिस ने हत्या के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर सख्ती का संदेश गया है। पुलिस के अनुसार कुछ दिन पूर्व एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि गांव पौटा निवासी कुछ लोगों ने उसके पति पर लाठी-डंडों और लकड़ी काटने वाली आरी से हमला किया था। हमले में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को उपचार के लिए भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद मामले में गंभीर धाराएं बढ़ा दी गई थीं। इस प्रकरण में पुलिस ने पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि एक आरोपी फरार चल रहा था। लगातार तलाश के बाद पुलिस ने फरार आरोपी पुष्पेन्द्र निवासी ग्राम पौटा को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि आरोपी को विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में पेश किया जा रहा है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। इस मामले में शामिल अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाई जा सके।

गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गंभीर अपराधों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

ईद-उल-फितर पर भाईचारे की अपील, शांति और सद्भाव बनाए रखें:- एम.आर. पाशा

बिजनौर (सब का सपना):- ईद-उल-फितर के पावन पर्व को लेकर एम.आर. पाशा ने जनपदवासियों से शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की है। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्वीप आइकॉन ब्रांड एंबेसडर रहे पाशा ने कहा कि ईद का त्योहार प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश देता है, इसलिए सभी नागरिक जिम्मेदारी का परिचय दें और किसी भी प्रकार की ऐसी गतिविधि से दूर रहें जिससे किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग करें और यदि कहीं कोई असामाजिक तत्व शांति व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करता है, तो उसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि नफरत फैलाने और समाज को बांटने वाली गतिविधियां देशहित के खिलाफ हैं और ऐसे तत्वों का सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिए।

एम.आर. पाशा ने विशेष रूप से मुस्लिम समाज से अपील करते हुए कहा कि नमाज सड़कों पर अदा न करें, बल्कि निर्धारित स्थानों पर ही इबादत करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कानून-व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

उन्होंने कहा कि भारत की गंगा-जमुनी तहजीब पूरी दुनिया में मिसाल है

और इसे बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। सभी को एक-दूसरे के त्योहार मिल-जुलकर मनाने चाहिए, जिससे आपसी विश्वास और भाईचारा मजबूत होता है।

पाशा ने कहा कि त्योहार की असली खुशी तभी है जब हम इसमें गरीबों, बेसहारों और दिव्यांगजनों को भी शामिल करें। उन्होंने लोगों से अपील की कि ईद की खुशियों को जरूरतमंदों के साथ साझा करें, ताकि समाज में समानता और अपनापन बढ़े।

स्योहारा में संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर बैठक, 1 अप्रैल से चलेगा विशेष अभियान

बिजनौर (सब का सपना) :- विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान को लेकर स्योहारा ब्लॉक में ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स (बीटीएफ) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी विक्रम सिंह ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2026 का विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा, जबकि दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित किया जाएगा। खंड विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित रूप से फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जाए तथा लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए।

उन्होंने सभी विभागों को माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि साफ-सफाई, जलभराव रोकने और जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। नगर पालिका को शहर में नियमित सफाई और जलभराव वाले स्थानों पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए, जबकि पंचायतीराज और ग्राम विकास विभाग को गांवों में निगरानी और साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग इस अभियान का नोडल विभाग है। उन्होंने सभी विभागों से 28 मार्च तक माइक्रोप्लान तैयार कर जमा करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और नगर पालिका कर्मचारियों के लिए अलग-अलग तिथियों पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में अधिकारियों ने मच्छरों से बचाव के उपायों पर भी जोर दिया, जिसमें घर और आसपास पानी जमा न होने देना, कूलर का पानी नियमित बदलना, मच्छरदानी का प्रयोग करना और बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह लेना शामिल है।

इस मौके पर डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम, सीडीपीओ हेमलता सैनी, खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार, एडीओ पंचायत मुकुल वशिष्ठ, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, एआरओ आलोक कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

दिनदहाड़े वृद्ध महिला से लूट, खुद को पुलिस बताकर वारदात

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- शहर में दिनदहाड़े एक वृद्ध महिला से लूट की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार उर्मिला चौहान नाम की महिला से दो व्यक्तियों ने स्वयं को पुलिसकर्मी बताकर सोने के कुंडल, अंगूठी और करीब 1000 रुपये की नकदी लूट ली। बताया जा रहा है कि वृद्ध महिला रमेश नगर स्थित अपने परिचित के घर से आदर्श नगर अपने घर जा रही थीं। इसी दौरान मोटे आम चौराहे के पास दोपहर करीब 2 बजे दो युवकों ने उन्हें रोक लिया। पहले तो वो मीठी मीठी बातें करते रहे फिर वे खुद को पुलिस वाला बताते हुए जांच के बहाने उनके जेवर और नगदी लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने 1076 पर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जा सके।

वाराणसी सिगरा में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत

वाराणसी (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर के सिगरा चौराहे के पास बुधवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में 48 वर्षीय अधेड़ की मौत हो गई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। मृतक की पहचान शिवपुरवा (सिगरा) निवासी कन्हैयालाल बिंद (पुत्र शिवप्रसाद बिंद) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सिगरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सिगरा पुलिस के अनुसार, फरार वाहन और चालक की पहचान के लिए घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए, जिससे वहां शोक का माहौल फैल गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह के समय सड़कों पर भीड़ कम होने के बावजूद इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहन अक्सर दौड़ते हैं, जो हादसों का कारण बनते हैं। इस घटना के बाद इलाके में आक्रोश और भय का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मैनपुरी में बड़ा हादसा : रात में कच्ची दीवार गिरने से मां और दो बच्चों की मृत्यु

मैनपुरी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के जनपद मैनपुरी में बीती रात टीन शेड कच्ची दीवार और ऊपर लगी टीन शेड के गिरने से नीचे सो रही मां रूबी और दो बच्चों की मौत हो गई जबकि पिता ब्रजेश व दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मैनपुरी के थानाक्षेत्र कुरावली अंतर्गत ग्राम अठ पुरा में मंगलवार को देर रात्रि करीब 12 बजे ब्रजेश (50) पुत्र लाल सिंह के घर की कच्ची दीवार व टीनशेड अचानक गिर गयी । तीन शेड के नीचे बृजेश, बृजेश की पत्नी और चार छोटे बच्चे सो रहे थे। कच्ची दीवार और तीन शेड अचानक गिरने से गहरी नींद में सो रहे परिवार को संभलने का मौका नहीं मिला और दीवार व टीनशेड के नीचे दबकर ब्रजेश की पत्नी रूबी (40) , बेटा दिलीप (08) और बेटी देवी (13) की मौके पर मौत हो गई। चीख पुकार से ग्रामीण व पड़ोसी ब्रजेश के घर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

हादसे में घायल ब्रजेश , गुडिया (15) एवं पल्लवी (05 वर्ष) को पुलिस द्वारा मौके पर पहॅुचकर घायलों को इलाज हेतु जिला चिकित्सालय भेजा गया । मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही हैं।

नौ साल में बॉटल नेक से ब्रेकथ्रू स्टेट बना उत्तर प्रदेश: योगी आदित्यनाथ

यूपी में नौ वर्षो में जो परिवर्तन हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही सम्भव हो पाया : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में इन नौ वर्षों में जो भी परिवर्तन हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही सम्भव हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं और जनता जनार्दन के सहयोग का प्रतिफल है। इन नौ साल में उत्तर प्रदेशा बॉटल नेक से ब्रेकथ्रू स्टेट बन गया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर बुधवार को लोकभवन में'नवनिर्माण के नौ वर्ष' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर नवनिर्माण के नौ वर्ष शीर्षक से उपलब्धियों की एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश में नौकरी का विज्ञापन निकलते ही वसूली के लिए झोला लेकर महाभारत के सभी रिश्ते निकल पड़ते थे। अब इंफ्रास्ट्रक्चर, नौकरी, रोजगार, महिलाओं के लिए, दलितों, वंचितों और गरीबों के कल्याण को ध्यान में रखकर किये गए कार्य ने यूपी को फिर से पहचान दी है। उन्होंने कहा कि अगले नौ दिनों तक राज्य में अलग अलग थीम पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। आगे के लिए हमारा विजन क्या होगा, इस पर भी चिन्तन करेंगे। नौ सालों में किये गए कार्यों को लेकर मंथन चिन्तन कर जनता के बीच जाएंगे। इन सभी मुद्दों पर नौ दिनों तक यह कार्यक्रम चले। उन्होंने अपील की कि हम युवाओं, श्रमिकों, गरीबों, महिलाओं के बीच इन विषयों और चर्चा करें। कल से त्योहार है। हम में खुशी है। किसी प्रकार का डर नहीं है। बेहतर सुरक्षा की वजह से बड़ा बदलाव हुआ है। आज लोग नव वर्ष पर और त्योहारों पर मंदिरों में जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहली सरकार में 30 हजार पुलिस भर्ती करनी थी। ट्रेनिंग के लिए हमारे पास केवल तीन हजार वाला ट्रेनिंग सेंटर ही था। केंद्र से भी बात की। लेकिन भर्ती नहीं हो पा रही थी। मामला कोर्ट में होने की वजह से रुकावट आ रही थी। हमने कहा कि न्यायालय का आदर करते हुए भर्ती पूरी की जाए। 30 हजार युवाओं को नौकरी दी गयी। तीन वीरांगनाओं के नाम पर पीएसी बटालियन का गठन किया है। हर जिले में एक एक साइबर थाना और हेल्प डेस्क है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, पता नहीं चलता है। आज उत्तर की कनेक्टिविटी अच्छी हुई है। गांव, तहसील, जिला और प्रदेश मुख्यालय कनेक्ट किये गए हैं। देश का पहला रोपवे काशी में बन रहा है। आज यूपी में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और चार अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा है। उत्तर प्रदेश आज इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश बना है। पहले कोई निवेशक नहीं आता था। 1947 से 2017 तक महज 14 हजार उद्योग थे। आज 31 हजार से अधिक उद्योग हैं। इसमें 65 लाख से अधिक लोग कम कर रहे हैं। यूपी में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्य कर रही हैं। योगी ने कहा कि पहले वाले मुख्यमंत्री नोएडा नहीं जाते थे। उन्हें कुर्सी जाने का डर था। मुख्यमंत्री बनते ही मैं नोएडा गया। मैंने कहा कि कुर्सी रहे या जाए, मैं नोएडा जरूर जाऊंगा। आज नोएडा में फैक्ट्रियां लगी हैं। मोबाइल फोन नोएडा में बन रहे हैं। आज यूपी में 15 लाख करोड़ का ग्राउंड ब्रेकिंग किया जा चुका है। आज कृषि का साढ़े आठ से बढ़कर 18 फीसदी ग्रोथ रेट है। तीन लाख 16 हजार 895 करोड़ किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया। घटतौली बन्द हो गया है। अब किसानों को ठगा नहीं जा रहा है। बेटियों को नौकरी दी जा रही है। हमने जाति, पंथ और क्षेत्र नहीं देखा। योजनाएं सभी के लिए लागू की गईं। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में एक करोड़ 60 लाख से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। कान्वेंट स्कूलों की तरह उन्ह बच्चों को ड्रेस, जूते और स्कूल बैग दिए जा रहे हैं। शौचालय, पीने के लिए पानी की व्यवस्था किया गया है। पहली बार संस्कृत पढ़ने वाले बच्चों के लिए स्कॉलरशिप योजना लागू की गई है। वह डिस्ट्रिक्ट वन माफिया से बाहर निकल कर ओडोओपी, वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज योजना लागू की गई है। कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि नौ साल पहले यूपी की जनता ने मेवा वालों को हटाकर सेवा वालों को सत्ता दिया। दंगा वालों को हटाकर गंगा वालों को कुर्सी पर बैठाया। आज भी वे (विपक्ष) लोग समझ नहीं पाए। आज नौ वर्षों में भाजपा की योगी सरकार ने पूरे प्रदेश को बदला है। जब किसी गरीब के घर में बीमारी आ जाती थी तो वह गरीब और भी गरीब हो जाता था। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में सरकार ने काम किया 2022 में सरकार आई। इन पांच सालों में जो काम किया है, उसकी बदौलत 2027 में उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सुशासन के नौ साल पूरे होने के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई। आज का दिन प्रदेश के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। मुझे 2016-17 याद आती है जब तत्कालीन सपा सरकार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई शुरू की थी।

यूपी सरकार ने डीजीपी चयन के लिए यूपीएससी को भेजा पैनल

लखनऊ (एजेंसी) डीजीपी की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद यूपी सरकार ने भी पैनल भेजने की औपचारिकता पूरी कर दी है। इसके लिए तीन दर्जन से अधिक अधिकारियों के नाम आयोग को भेजे गए हैं। राज्यों में डीजीपी की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा संघ लोक सेवा आयोग को पैनल भेजे जाने को अनिवार्य करने के बाद गृह विभाग ने भी इसकी औपचारिकता की है। प्रदेश सरकार की ओर से मंगलवार को आईपीएस अधिकारियों के नाम का पैनल आयोग को भेज दिया गया। इसमें 30 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों के नाम शामिल हैं। सूत्रों की मानें तो प्रदेश सरकार ने वर्ष 1990 से 1996 बैच के तीन दर्जन से अधिक अधिकारियों के नाम आयोग को भेजे हैं। हालांकि इनमें से आयोग वरिष्ठता के आधार पर तीन अधिकारियों को चिन्हित कर राज्य सरकार को उनके

नाम भेजेगा। तत्पश्चात राज्य सरकार इनमें से किसी एक का चयन डीजीपी के पद के लिए करेगी। वर्तमान में आईपीएस अफसरों की वरिष्ठता सूची में वर्ष 1990 बैच की आईपीएस एवं डीजी रेणुका मिश्रा का नाम सबसे ऊपर है। इसके बाद वर्ष 1991 बैच के आलोक शर्मा (डीजी एसपीजी), पीयूष आनंद (डीजी एनडीआरएफ) के बाद वर्तमान डीजीपी राजीव कृष्ण का नाम है। माना जा रहा है कि आयोग से पैनल वापस आने के बाद प्रदेश सरकार द्वारा राजीव कृष्ण के नाम पर ही मुहर लगा दी जाएगी।

खजनी जमीन घोटाला: 46 साल पहले मृत व्यक्ति की 'फर्जी पत्नी' खड़ी कर हड़प ली एक एकड़ जमीन

गोरखपुर (एजेंसी)। आरोप है कि वर्षों बाद जालसाजों ने भानमती नामक महिला को निठुरी प्रसाद की पत्नी बताकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर लिए। इतना ही नहीं, पूर्व ग्राम प्रधान के कथित नकली हस्ताक्षर के सहारे कुटुंब रजिस्टर में उसका नाम भी दर्ज करा दिया गया। साजिश यहीं नहीं रुकी। आरोप है कि तहसील स्तर पर भी हेरफेर कर जमीन को भानमती के नाम वरासत करा लिया गया। इसके बाद उसने उक्त जमीन तीन अन्य लोगों के नाम रजिस्ट्री कर दी। खजनी थाना क्षेत्र के डोहरियां प्राणनाथ गांव में जमीन हड़पने के लिए रची गई एक चौंकाने वाली साजिश सामने आई है। जालसाजों ने 46 साल पहले मृत व्यक्ति की पत्नी बनाकर एक बुजुर्ग महिला के नाम एक एकड़ से अधिक जमीन की फर्जी वरासत और फिर रजिस्ट्री करा दी। मामले का खुलासा होते ही तहसील प्रशासन में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, गांव

निवासी निठुरी प्रसाद की 12 सितंबर 1979 को हत्या हो गई थी। उनकी पत्नी परभौती का भी 20 अक्तूबर 1981 को निधन हो चुका था। दंपती की कोई संतान नहीं थी, जिसके चलते 30 मार्च 1993 को उनकी संपत्ति छोटे भाई विंध्याचल के नाम दर्ज कर दी गई थी। आरोप है कि वर्षों बाद जालसाजों ने भानमती नामक महिला को निठुरी प्रसाद की पत्नी बताकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर लिए। इतना ही नहीं, पूर्व ग्राम प्रधान के कथित नकली हस्ताक्षर के सहारे कुटुंब रजिस्टर में उसका नाम भी दर्ज करा दिया गया। साजिश यहीं नहीं रुकी। आरोप है कि तहसील स्तर पर भी हेरफेर कर जमीन को भानमती के नाम वरासत करा लिया गया। इसके बाद उसने उक्त जमीन तीन अन्य लोगों के नाम रजिस्ट्री कर दी। यह पूरा मामला जमीन कब्जाने के लिए सुनियोजित तरीके से किया गया फजीर्वाड़ा बताया जा रहा है, जिसमें कई स्तरों पर दस्तावेजों से छेड़छाड़ की गई।मामले की भनक लगते ही असली वारिस विंध्याचल ने तहसीलदार न्यायालय में साक्ष्य प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि भानमती का इस परिवार से कोई संबंध नहीं है। वह बांसगांव तहसील क्षेत्र की रहने वाली है और उसकी शादी कहीं और हुई है। पीड़ित पक्ष ने यह भी बताया कि वर्ष 2016 में भी इसी तरह का प्रयास किया गया था, जिसे तत्कालीन तहसीलदार ने खारिज कर दिया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार ध्रुवेश कुमार सिंह ने जमीन की रजिस्ट्री और कब्जे पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और जांच पूरी होने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। कैंसर से जूझ रहा वारिस, फिर भी लड़ाई जारी वर्तमान में विंध्याचल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और उनका इलाज चल रहा है। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और न्याय के लिए संघर्ष जारी रखा। उनके पुत्र मलखा ने भी मामले को आगे बढ़ाते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की।

तेज रफ्तार का विरोध करने पर दो भाइयों ने खेला खूनी खेल, देखती रह गई पुलिस

गुड़गांव, (ब्यूरो): फिरोजगांधी कॉलोनी में रफ़्तार का विरोध करने पर दो भाइयों ने मिलकर खूनी खेल खेला। आरोपियों ने ईंट मारकर एक युवक के चार दांत तोड़ दिए और उसकी नाक पर गंभीर चोट पहुंचाई। बीच-बचाव करने आई एक युवती भी इस हमले में घायल हो गई। पुलिस ने घायल की शिकायत पर न्यू कॉलोनी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक, शिवपुरी निवासी लक्ष्य एंग्रिश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 15 मार्च की रात वह अपने दोस्त पंकज से मिलने फिरोजगांधी कॉलोनी गया था। उसी समय पंकज का भाई नवीन गली में आइसक्रीम लेने निकला। तभी पड़ोस में रहने वाले दो भाई अनुज और जतिन, तेज रफ्तार में बाइक चलाते हुए आए। नवीन ने जब उन्हें सावधानी से बाइक चलाने की सलाह दी, तो आरोपियों ने उसे थप्पड़ मार दिया।नवीन ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जब लक्ष्य और उसके दोस्त पुलिस को आरोपियों का घर दिखाने ले गए, तो आरोपी ने पुलिस के सामने ही आरोपी जतिन ने मकान की छत से ईंटों से हमला कर दिया। एक ईंट लक्ष्य के चेहरे पर लगी, जिससे उसकी नाक पर गहरा घाव हो गया और जबड़ा हिलने के कारण उसके चार दांत टूट गए। दोस्त की बहन पूजा जब बीच-बचाव करने आई, तो उस पर भी नुकीली चीज से हमला किया गया, जिससे उसके हाथ के अंगूठे पर छह टांके आए हैं। जांच अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएग।

अन्नदाता की बढ़ेगी शान ! HAU की नई हाइब्रिड किस्म किसानों के लिए वरदान, बंपर पैदावार के साथ बढ़ेगी आमदनी

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 तैयार की,सिंचित क्षेत्रों में पैदावार बढ़ाने में वरदान सिद्ध होगी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने प्रोफेसर बी आर कंबोज ने आज पत्रकार वार्ता आयोजित कर सरसों की फसल की नई किस्म के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा तिलहन और दलहन मिशन की शुरूआत की गई है।उन्होंने कहा कि खाद्य तेल के आयात करने के लिए हमें लाखों करोड़ रुपया खर्च करने पड़ते है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिकों द्वारा सरसों और राया की 25 उन्नत किस्म अब तक निकाली जा चुकी है। अब सरसों की आरएएच 2101 इसे ईजाद की गई है।यह हाइब्रिड किस्म हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू और उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में सरसों की पैदावार को बढ़ाने में एक वरदान सिद्ध होगी। इस किस्म को अखिल भारतीय समन्वित सरसों एवं राई अनुसंधान प्रोजेक्ट के तहत तीन साल गहन परीक्षण के बाद जारी किया गया है। यह किस्म 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक औसत पैदावार देती है।

उन्होंने कहा कि अधिक उपज क्षमता और उच्च तेल मात्रा के कारण यह हाइब्रिड किस्म किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय होगी इससे न केवल तिलहन उत्पादन और बाजार में वृद्धि होगी बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा। कुलपति ने वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए बताया कि इस सरसों टीम को पिछले 12 सालों में चार बार उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाजा जा चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भविष्य में भी नई और उन्नत किस्में विकसित कर देश के तिलहन उत्पादन और कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे।कुलपति ने कहा कि हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू और उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में यह किस्म पैदावार बढ़ाएगी।

राज्यसभा चुनाव से कांग्रेस की अंदरूनी स्थिति सामने आ गई : कैप्टन अभिमन्यु

रेवाड़ी : भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि राज्यसभा चुनाव से कांग्रेस की अंदरूनी स्थिति सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि बहुमत होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार मुश्किल से जीत पाए, जिससे पार्टी की कमजोरी दिखती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इनेलो ने चुनाव में हिस्सा नहीं लेकर अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस का समर्थन किया। अगर इनेलो चुनाव लड़ती तो नतीजे अलग हो सकते थे। भाजपा के एक वोट के रद्द होने पर उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी मीडिया से मिली है और पार्टी इस मामले की जांच कराएगी। जाट आरक्षण मामले पर उन्होंने इसे कोर्ट का विषय बताते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने ये बातें रेवाड़ी में भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि कांग्रेस किसी भी तरह से सत्ता में आना चाहती है और सत्ता में आने के बाद परिवारवाद और जाति-धर्म की राजनीति को बढ़ावा दे सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस अब एक संगठन के बजाय कुछ लोगों के समूह की तरह काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में भाजपा की जिम्मेदारी बढ़ जाती है और पार्टी जनता के बीच रहकर काम कर रही है। अपनी राज्यसभा दावेदारी पर उन्होंने कहा कि पार्टी ने उनसे बेहतर व्यक्ति को भेजा है, जो संसद में प्रदेश की आवाज उठाएगा।

साजिशकताओं की बड़ी साजिश नाकाम, उतारा गया सोनीपत रेलवे लाइन पर लगाया गया सीसीटीवी कैमरा

सोनीपत : बीती 15 मार्च को गाजियाबाद पुलिस द्वारा 6 संदिग्ध पकड़े गए थे और पकड़ने के बाद खुलासा हुआ था कि देश भर में 50 जगह उनके द्वारा कैमरे लगाने थे, जिनमें से एक कैमरा सोनीपत रेलवे स्टेशन के पास पोल नंबर 47/27 पर लगाया गया था। आज सीसीटीवी कैमरे को गाजियाबाद पुलिस, आईबी, एनआईए और रेलवे की अधिकारियों की निगरानी में उतारा गया है। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय जांच एजेंसी को इनपुट मिले थे कि पाकिस्तान से मिली हुई किसी गैंग द्वारा किसी बड़ी वारदात को अंजाम दिया जाना है। जिसके बाद जांच एजेंसियों की इनपुट के बाद 6 संदिग्ध आरोपियों को गाजियाबाद की कौशाम्बी पुलिस ने गिरफ्तार किया था और उनसे खुलासा हुआ था कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और भीड़ बड़े वाले क्षेत्र में उनके द्वारा 50 कैमरे लगाए जाने थे। सूत्रों के अनुसार सुहेल गैंग द्वारा ये लगाए गए हैं और यह गैंग सेवा की गतिविधियों पर नजर रखती है और पाकिस्तान से इन्हें सुपारी मिली थी। जिसके बाद एक कैमरा सोनीपत रेलवे स्टेशन के पास भी लगा हुआ मिला था और आज गाजियाबाद की कौशाम्बी पुलिस एक आरोपी को लेकर सोनीपत पहुंची थी और रेलवे स्टेशन लाइन पर पोल नंबर 47/27 जिस पर कैमरा लगा हुआ था उसी के पास पहले पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की फिर एक पुलिसकर्मी द्वारा कैमरा उतारा गया। वहीं जब मीडिया स्टेशन पर आरोपी की फुटेज लेने के लिए पहुंचा तो एक पुलिसकर्मी दोबारा डिलीट करने की बात कही और बदतमीजी की गई जो गाजियाबाद पुलिस के साथ आया था।

10 साइबर अपराधी गिरफ्तार, 40 करोड़ की 3571 शिकायतों का हुआ खुलासा

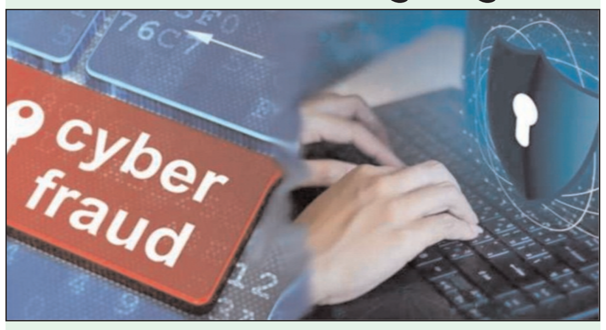

गुड़गांव, (ब्यूरो): साइबर अपराध शाखा द्वारा गिरफ्तार किए गए 10 अपराधियों ने पूरे देश में आतंक मचाया हुआ था। इन अपराधियों ने पूरे देश भर में साइबर ठगी की 3571 शिकायतों का खुलासा किया है। इन लोगों से अपराधियों ने करीब 40 करोड़ रुपए की ठगी की थी। पुलिस के मुताबिक, पुलिस द्वारा विभिन्न राज्यों में फैले संगठित साइबर ठगी गिरोह के 10 आरोपियों/साइबर ठगों को गिरफ्तार/अरेस्ट करने का महत्वपूर्ण खुलासा किया है। I4C (Indian Cyber Crime Coordination Centre) से उपरोक्त आरोपियों से बरामद किए गए उपकरणों का अवलोकन कराने पर, इन आरोपियों के खिलाफ पूरे भारत में 3571 से अधिक शिकायतें, 96 दर्ज अभियोग, तथा लगभग 40 करोड़ रुपयों की ऑनलाइन ठगी सामने आई है।यह आरोपी मुख्यतः इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, लोन फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, साइबर स्लेवरी और क्रेडिट कार्ड से संबंधित फ्रॉड इत्यादि प्रकार की साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। पूछताछ के दौरान आरोपियों के कब्जे से पुलिस टीमों द्वारा कुल 4 लाख रूपए, 11 मोबाईल फोन्स व 2 सिम काड्र्स बरामद किए गए हैं, आरोपियों के मोबाईल फोन क्14उ द्वारा विश्लेषण/जांच करने पर पता चला कि इनके खिलाफ पूरे देश में कुल 3571 शिकायतें, 96 केस दर्ज हैं, जिनमें से गुड़गांव में 12 केस (साईबर अपराध थाना दक्षिण में 4 केस व साईबर अपराध थाना मानेसर में 2 केस) दर्ज हैं। आरोपियों द्वारा इन मामलों में कुल 40 करोड़ रुपयों की ठगी की गई थी।

राज्यसभा चुनाव के बाद सीएम सैनी का विपक्ष पर हमला, कहा- लोकतंत्र का गला घोंटने का काम कांग्रेस खुद कर रही

हरियाणा : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र का गला घोंटने का काम स्वयं कांग्रेस पार्टी कर रही है। कांग्रेस द्वारा लोकतंत्र की हत्या के आरोप लगाना उनकी कुंठा का परिचायक है, जबकि वास्तविकता यह है कि लोकतंत्र की हत्या उनके बयानों से हुई है और कांग्रेस को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री सैनी ने बुधवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में स्पष्ट किया कि यह विषय सदन की चर्चा का हिस्सा नहीं है, लेकिन डॉ. रघुबीर सिंह कादियान, जो सबसे वरिष्ठ सदस्य हैं और वे विधानसभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं, उन्होंने ये कहा कि तीसरे उम्मीदवार की क्या आवश्यकता थी। विधायक गीता भुक्कल ने मीडिया में यह बयान दिया कि सरकार के मंत्रियों ने हमारे विधायकों को खरीदा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीसरा उम्मीदवार हमारा नहीं था,

वो तो आजाद उम्मीदवार थे और निर्दलीय सदस्यों द्वारा उन्हें चुनाव में खड़ा किया गया था। लोकतंत्र में चुनाव लड़ने का अधिकार सभी को है।

तीसरे आजाद उम्मीदवार हमारे पास वोट मांगने आए, वो तो कांग्रेस के पास भी गए वोट मांगने। जिनकी अंतरआत्मा जाग गई, उन्होंने उन्हें वोट किया। फिर इसमें किसी को क्या दिक्कत है।

उधार दिए रुपए वापस मांगे तो चला दी गोली, केस दर्ज

गुड़गांव, (ब्यूरो): पचगांव टोल प्लाजा के पास उधारी के पैसे मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। पैसे देने के बहाने बुलाकर एक युवक ने अपने साथी के साथ मिलकर न केवल हवाई फायरिंग की, बल्कि पीड़ित के माथे में गोली मारने की धमकी भी दी। बिलासपुर थाना पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ मंगलवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, मूलरूप से नूंह निवासी धर्मेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मानेसर के ढाणा गांव के पूर्व सरपंच रमेश के पास काम करता है। रमेश ने करीब तीन साल पहले गांव चांदला डूंगरवास के रहने वाले देबा दस हजार रुपये उधार दिए थे। बार-बार मांगने के बावजूद देबा पैसे नहीं लौटा रहा था। आठ मार्च की रात करीब आठ बजे जब धर्मेंद्र पचगांव टोल पर देबा से पैसे लेने पहुंचा, तो देबा ने बहाना बनाया कि उसका यूपीआई काम नहीं कर रहा है और उसका साथी संदीप गुर्जर नकद पैसे लेकर आ रहा है।आरोप है कि देबा का दोस्त संदीप गुर्जर ने वहां पहुंचते ही आक्रामक हो गया और उसने अपनी पिस्तौल से हवाई फायरिंग कर दी। धर्मेंद्र का आरोप है कि आरोपी ने उसे धमकाते हुए कहा,यहां कोई पैसा नहीं है, वापस चला जा। अभी तो हवा में गोली चलाई है, अगली बार तेरे माथे में गोली मारूंगा। वारदात के बाद आरोपी ने पीड़ित के मालिक को फोन पर धमकी भरी रिकॉर्डिंग भी भेजी। घटना की सूचना पर पुलिस टीम जांच करने के लिए पहुंची। जांच के दौरान घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे बंद पाए गए, लेकिन चश्मदीद गवाह और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले को सही मिला।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मामला दर्ज कर अपराध शाखा मानेसर की टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देबा,संदीप गुर्जर और पुनीत को गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है और वारदात में इस्तेमाल हथियार को बरामद कर लिया है।

कैंटर की टक्कर से पलटी आबकारी विभाग की गाड़ी, दबे हुए अधिकारियों को राहगीरों ने निकाला

गुड़गांव, (ब्यूरो): साउदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) पर सेक्टर-77 के पास मंगलवार देर रात ड्यूटी कर रहे आबकारी एवं कराधान विभाग टीम की गाड़ी को तेज रफ्तार कैंटर चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सरकारी गाड़ी पलट गई। उसमें सवार सहायक उत्पाद शुल्क एवं कराधान अधिकारी(एईटीओ),पुलिसकर्मी सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद चारों गाड़ी में फंस गए और मौके पर पहुंचे लोगों ने सभी को बाहर निकाला गया और उसके बाद इलाज के लिए नागरिक अस्पताल सेक्टर-दस में भर्ती करवाया गया। पुलिस ने एईटीओ की शिकायत पर खेड़की दौला पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नारनौल में तैनात एईटीओ महिम शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मुख्यालय पंचकूला के आदेशानुसार अपनी टीम के साथ गुरुग्राम में चेकिंग ड्यूटी पर थे। मंगलवार रात करीब एक बजे जब उनकी सरकारी स्कॉर्पियो कार एसपीआर रोड पर खड़ी थी, सभी कार में ही सवार थे। तभी एक तेज रफ्तार कैंटर वहां से गुजरा। टीम ने टॉर्च और हाथ का इशारा देकर उसे रुकने का संकेत दिया, लेकिन चालक कैंटर को रोक नहीं सका और सीधे सरकारी गाड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सरकारी गाड़ी बीच सड़क पर ही पलट गई और टीम के सदस्य अंदर फंस गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत मदद की और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में एईटीओ महिम शर्मा, ड्राइवर देशराज, सेवादार उमेश और ईएचसी कृष्ण कुमार को चोटें आईं। घायलों को तुरंत सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार कराया गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने स्थिति का जायजा लिया। आरोपी चालक की पहचान महेंद्र निवासी बदायूं, यूपी के रूप में हुई है। टक्कर के दौरान कैंटर के केबिन का दरवाजा खुल जाने की वजह से हादसा और भी गंभीर हो गया, जिससे सरकारी वाहन को भारी नुकसान पहुंचा है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और कैंटर को जब्त कर लिया गया है।

मेट्रीमोनियल साइट पर दोस्ती कर रेप करने वाला ब्रोकर गिरफ्तार, 5 हजार का इनाम था घोषित

गुड़गांव, (ब्यूरो): मेट्रीमोनियल साइट पर युवती से दोस्ती कर कई महीनों तक रेप करने वाले एक आरोपी को गुड़गांव पुलिस ने फरूर्खाबाद उत्तर प्रदेश से काबू कर लिया है। आरोपी की पहचान नदीम उर्फ नदीम खान(उम्र-28 वर्ष, शिक्षा-12 वीं) निवासी जिला फरुर्खाबाद (उत्तर-प्रदेश) के रूप में हुई है। आरोपी पर एक अन्य भी मामला दर्ज है जिसमें गिरफ्तारी को लेकर आरोपी पर 5 हजार रुपए का इनाम भी घोषित है। आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ के दौरान सामने आया कि आरोपी नदीम गुड़गांव में फ्लैट/कमरे किराए पर दिलाने (ब्रोकर) का काम करता है। आरोपी नदीम ने बताया कि वह मैट्रिमोनियल साइट्स के माध्यम से लड़कियों से संपर्क करता है और शादी का झांसा देकर उनका शारीरिक शोषण करता है। आरोपी मैट्रिमोनियल साइट(जीवनसाथी डॉट कॉम) के माध्यम से लड़की से मिला था व शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। आरोपी के खिलाफ गुड़गांव में पहले भी एक मामला दर्ज है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने एक मोबाइल बरामद किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, 5 दिसंबर 2025 को खेड़कीदौला थाना पुलिस को एक युवती ने एक शिकायत में बताया गया कि उसने विवाह हेतु मैट्रिमोनियल साइट पर अपना प्रोफाइल बनाया था, जहां इसका संपर्क नदीम खान से हुआ जिसने शादी का झांसा देकर इसे मिलने के बहाने अपने फ्लैट सेक्टर-86, गुरुग्राम बुलाया और शादी का झूठा भरोसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। बाद में नदीम ने शादी से इनकार कर दिया और संपर्क तोड़ लिया। खेड़कीदौला थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू

विनेश फोगाट ने क्रॉस वोट करने वालों को बताया जयचंद, लिखा- रखवाली जानवरों की होती है, इंसानों की नहीं

हरियाणा : हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस ने भले ही एक सीट पर जीत दर्ज कर ली हो, लेकिन इस जीत के पीछे पार्टी के भीतर की गहरी दरारें भी उजागर हो गईं। सबसे ज्यादा चर्चा उन विधायकों की हो रही है जिन्होंने क्रॉस वोटिंग कर अपनी ही पार्टी को धोखा दिया। क्रॉस वोटिंग की घटना ने कांग्रेस संगठन को झकझोर दिया है। पार्टी अब अपने ही विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी में है। जुलाना से विधायक विनेश फोगाट ने क्रॉस वोट करने वालों को बताया जयचंद बता सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा है कि वोट क्रॉस हुई हो या कैंसिल। क्या मनसा दोनों जगह एक जैसी थी, यह पार्टी को डिसाइड करना है। ऐसे बिना वजह कुछ नहीं होता, कोई किंतु परन्तु नहीं होना चाहिए, इसी सोच के साथ पार्टी को एक्शन लेना चाहिए। वहीं विनेश फोगाट ने कहा कि अगर गलती क्रॉस वोटिंग करने वालों की है तो कैंसिल करने वालों की भी क्या उतनी ही है। यह हमारी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व फैंसला ले। हर बार वार दूसरों के कंधों पे रख कर नहीं होता, कुछ अपने भी जयचंद हैं। मॉक ड्रिल इसीलिए करवाई गई थी कि कोई गलती ना हो अगर फिर भी यह सब हुआ तो जवाबदेही किसकी? जिसका जमीर ज़िंदा हो उसकी कोई कीमत नहीं होती। रखवाली जानवरों की होती है

इंसानों की नहीं। सजा उसी को मिले जिसने गलती की। ईमानदारों के खिलाफ झूठा नैरेटिव बना कर सजा उनको क्यों। यह विचारधारा की लड़ाई है, जनता की अदालत में उनके नाम जाने चाहिए। जनता ही उनका आखरी फैंसला ले। वहीं हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी बी के हरिप्रसाद ने हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोट करने वाले विधायकों के नाम बता दिए हैं। उनके अनुसार, नारायणगढ़ से शैली चौधरी, पुनहाना से मोहम्मद इलियास, हथीन से मोहम्मद इसराइल और सढौरा से रेणु बाला ने क्रॉस वोट किया।

हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस ने भले ही एक सीट पर जीत दर्ज कर ली हो, लेकिन इस जीत के पीछे पार्टी के भीतर की गहरी दरारें भी उजागर हो गईं। सबसे ज्यादा चर्चा उन विधायकों की हो रही है जिन्होंने क्रॉस वोटिंग कर अपनी ही पार्टी को धोखा दिया।

भारत की इन जगहों पर देखने को मिलेगा इंग्लैंड-स्विटजरलैंड जैसा नजारा, यादगार बनेगी ट्रिप

अधिकतर लोगों का विदेश घूमने का सपना होता है। लेकिन कई बार बजट के कारण लोग विदेश घूमने नहीं जाते हैं। वहीं भारत की खूबसूरती की तुलना कई विदेशी जगहों से की जाती हैं। यहां की जगहें न सिर्फ विदेशी स्थानों जैसी दिखे हैं, बल्कि वहां की समानता का भी अनुभव किया जा सकता है। ऐसे में आप भारत की इन जगहों पर घूमकर विदेशी खूबसूरती का लुत्फ उठा सकते हैं। भारत की इन जगहों पर घूमना न सिर्फ आपकी यात्रा को यादगार बनाएगा बल्कि प्रकृति की अनमोल विरासत से भी जोड़ेंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी तुलना दुनिया के फेमस स्थलों से की जाती है।

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के दृश्य बेहद खूबसूरत और शानदार होते हैं। श्रीनगर में शिकारा राइड, डल झील और ट्यूलिप फूलों के बगीचे का नजारा बिलकुल विदेशों जैसा है। श्रीनगर में डल झील के किनारे खिले हुए ट्यूलिप फूलों का बगीचा और आसपास का शांत वातावरण आपका मन मोह लेगा। यहां के नजारे आपको नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम की याद दिलाएंगे। यहां पर एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है। श्रीनगर के इस गार्डन को इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन कहते हैं।

गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग को भारत का स्विटजरलैंड कहा जाता है। यहां पर आपको बर्फ से ढके पहाड़, स्कीइंग रिसॉर्ट्स और खूबसूरत घास के मैदान देखने को मिलेंगे। यहां पर गोंडोला राइड और विंटर स्पोर्ट्स पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है।

फूलों की घाटी, उत्तराखंड

उत्तराखंड की वैली ऑफ फ्लावर्स में मानसून के समय हजारों रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। आपको यहां का दृश्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में मौजूद एंटीलोप वैली से बिलकुल मेल खाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है। यहां पर फोटोग्राफी के शौकीन लोगों की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

थार मरुस्थल, राजस्थान

बता दें कि राजस्थान का थार मरुस्थल आपको यकीनन सहारा मरुस्थल की याद दिलाएंगा। यहां पर आपको रेत के टीलों, ऊंट की सवारी और रेगिस्तानी संस्कृति देखने को मिलेगी। जो आपको सहारा का अनुभव होगा। यहां पर जैसलमेर और सम सैंड ड्यून्स प्रमुख आकर्षण हैं।

धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण शहर है अमृतसर

जालियांवाला बाग अमृतसर का एक ऐतिहासिक स्थल है, जो 13 अप्रैल 1919 को हुए नरसंहार के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण भाग का प्रतीक है। यहाँ एक स्मारक और जल स्त्रोत है, जो उस भयावह घटना की याद दिलाता है।

अमृतसर, पंजाब राज्य का एक प्रमुख शहर, धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। यह शहर न केवल भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि दुनिया भर के पर्यटकों के लिए भी एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन चुका है। यहाँ की शांतिपूर्ण वातावरण और समृद्ध इतिहास, पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। आइए जानते हैं अमृतसर पर्यटन के कुछ प्रमुख आकर्षणों के बारे में।

स्वर्ण मंदिर

अमृतसर का सबसे प्रमुख और प्रसिद्ध स्थल है स्वर्ण मंदिर, जिसे हरमंदिर साहिब भी कहा जाता है। यह सिख धर्म का पवित्र स्थल है और दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु यहाँ आते हैं। मंदिर का गोल्डन गेट और उसकी खूबसूरत वास्तुकला देखने योग्य हैं। स्वर्ण मंदिर के चारों ओर स्थित अमृत सरोवर की शांति और सौंदर्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। यहाँ की आध्यात्मिक शांति और वातावरण लोगों को एक अलग अनुभव प्रदान करते हैं।

जालियांवाला बाग

जालियांवाला बाग अमृतसर का एक ऐतिहासिक स्थल है, जो 13 अप्रैल 1919 को हुए नरसंहार के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण भाग का प्रतीक है। यहाँ एक स्मारक और जल स्त्रोत है, जो उस भयावह घटना की याद दिलाता है। जालियांवाला बाग पर जाकर लोग भारतीय इतिहास को जानने और उसकी महत्ता को महसूस करने के लिए आते हैं।

गोल्डन एस्टेट और ज्यूक डिलीवरी

अमृतसर में सिख धर्म और पंजाबी संस्कृति के प्रतीक के रूप में गोल्डन एस्टेट और ज्यूक डिलीवरी संग्रहालय भी प्रमुख पर्यटन स्थल हैं। यहाँ सिख धर्म की धरोहर, इतिहास, और उनके संघर्षों को प्रदर्शित किया गया है।

दुरगियाना मंदिर

यह मंदिर अमृतसर का एक और प्रमुख धार्मिक स्थल है जो स्वर्ण मंदिर के समान दिखता है। यह मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है और यहाँ लोग धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए आते हैं। मंदिर के पास ही एक बड़ा सरोवर भी स्थित है, जो इस स्थल की सुंदरता को बढ़ाता है।

काली मंजीर

अमृतसर में स्थित काली मंजीर भी एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यह मंदिर काली माता को समर्पित है। यहाँ भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है, विशेष रूप से नवरात्रि और अन्य हिन्दू त्योहारों के दौरान।

अमृतसर का बाजार और संस्कृति

अमृतसर के बाजार भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। यहाँ के बाजार, जैसे कि केसरिया बाजार और जोड़ा फाटक बाजार, लोक कला और हस्तशिल्प के अद्भुत सामानों से भरे हुए हैं। यहाँ से पर्यटक पंजाबी पारंपरिक वस्त्र, जूतियां, चूड़ियां, और अन्य हस्तनिर्मित सामान खरीद सकते हैं। अमृतसर की सांस्कृतिक धरोहर यहाँ के विभिन्न मेलों, त्योहारों और नृत्य-गानों में भी देखने को मिलती है।

भठिंडा और गग्गा महल

अमृतसर के पास स्थित भठिंडा और गग्गा महल भी ऐतिहासिक महत्व रखते हैं। भठिंडा किला एक ऐतिहासिक किला है, जो प्राचीन समय में एक महत्वपूर्ण स्थान था। वहीं गग्गा महल में एक शांतिपूर्ण वातावरण मिलता है और यहां के सुंदर दृश्य पर्यटकों के लिए एक अच्छा अनुभव होते हैं।

अमृतसर, अपनी धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहर के साथ-साथ अपने सांस्कृतिक त्योहारों और मेहमाननवाजी के लिए प्रसिद्ध है। स्वर्ण मंदिर, जालियांवाला बाग, वाघा बॉर्डर और अन्य पर्यटन स्थलों ने इसे एक प्रमुख यात्रा स्थल बना दिया है। यहाँ आने वाले पर्यटकों को न केवल भारतीय संस्कृति का गहरा अनुभव मिलता है, बल्कि एक अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभव भी होता है। अगर आप भारत के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक वैभव को महसूस करना चाहते हैं, तो अमृतसर की यात्रा निश्चित रूप से आपके यात्रा सूची में होनी चाहिए।

वाघा बॉर्डर

अमृतसर से लगभग 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच का सीमाबंध है। यहाँ हर शाम भारतीय और पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा बीटिंग रिट्रीट नामक एक शानदार समारोह आयोजित किया जाता है। यह उत्सव एक जीवंत, रंगीन और जोशपूर्ण अनुभव है, जिसमें दोनों देशों के नागरिकों की एकजुटता और सम्मान की भावना दिखाई देती है। वाघा बॉर्डर का दौरा करने के लिए पर्यटकों का तांता लगा रहता है।

दक्षिण भारत की टॉप रोमांटिक जगहों पर बनाएं घूमने का प्लान

जब देश में थोड़ी-थोड़ी ठंड कम पड़ने लगती है। जब ठंड कम पड़ती है, तो घूमने का मजा दोगुना हो जाता है। वहीं यह महीना साल का सबसे रोमांटिक महीना भी माना जाता है। क्योंकि फरवरी महीने में भी वैलेंटाइन डे वीक मनाया जाता है। इस दौरान दक्षिण भारत में कई कपल्स घूमने का प्लान बनाते हैं। दक्षिण भारत हमारे देश का एक हिस्सा है। जहां पर फरवरी महीने में कम ठंडक पड़ती है। फरवरी महीने में दक्षिण भारत का मौसम भी एकदम रोमांटिक रहता है। इसलिए इस महीने में दक्षिण भारत में हर दिन हजारों की संख्या में लोग घूमने के लिए आते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दक्षिण भारत की कुछ हसीन और टॉप रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अल्लेप्पी

दक्षिण भारत में स्थित सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह में अल्लेप्पी का नाम सबसे पहले आता है। यह सिर्फ केरल का ही नहीं बल्कि पूरे भारत का एक खूबसूरत हॉलिडे डेस्टिनेशन माना जाता है।

अरब सागर के तट पर स्थित अल्लेप्पी अपने खूबसूरत समुद्री तट, लैगून और बैक वाटर के लिए जाना जाता है। अल्लेप्पी को दक्षिण भारत की टॉप हनीमून डेस्टिनेशन माना जाता है। ऐसे में आप अपने पार्टनर के साथ अल्लेप्पी घूमने के लिए जा सकते हैं।

कोडईकनाल

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु में स्थित कोडईकनाल देश का सबसे खूबसूरत और बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है। यह पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। कोडईकनाल अपनी प्रकृति सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां पर आपको खूबसूरत झील-झरने, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और खूबसूरत घाटियां देखने को मिलेंगी। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ हसीन शाम गुजार सकते हैं और एडवेंचर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। कोडईकनाल में आप कोडईकनाल झील, कोकर्स वॉक और डॉलफिन नोज पॉइंट जैसी रोमांटिक जगहों पर जरूर जाएं।

कूर्ग

अगर आप अपने पार्टनर के साथ फरवरी के महीने में कर्नाटक की किसी रोमांटिक जगह पर जाना चाहते हैं, तो आपको कुर्ग जाना चाहिए। क्योंकि कुर्ग में सिर्फ भारतीय कपल्स ही नहीं बल्कि विदेशी कपल्स भी घूमने के लिए आते हैं। कुर्ग की खूबसूरती इस तरह प्रचलित है कि इसको दक्षिण भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। आपको कुर्ग में कई होटल और रिसॉर्ट ऐसे होते हैं, जहां पर आप रूम बुक करके हसीन शाम बिता सकते हैं। आप यहां पर अपने पार्टनर के साथ एबी फॉल्स, ब्रह्मगिरी शिखर, चेट्टाल्ली, दुबारे हाथी शिवर और राजा की सीट जैसी रोमांटिक जगहों को एकसप्लोर कर सकते हैं।

पुडुचेरी

दक्षिण भारत में स्थित पुडुचेरी एक केंद्र शासित प्रदेश है। इस देश को एक बेहद खूबसूरत और रोमांटिक डेस्टिनेशन भी माना जाता है। बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित पुडुचेरी को हनीमून डेस्टिनेशन के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर सिर्फ फरवरी महीने में बल्कि साल के अन्य महीनों में भी कपल्स घूमने के लिए आते हैं। पुडुचेरी में आप पार्टनर के साथ सुबह-शाम समुद्र तट के किनारे सुकून और यादगार भरे कुछ पल बिता सकते हैं। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ पैराडाइज बीच, बॉटनिकल गार्डन और प्रोमेनेड बीच जैसी रोमांटिक जगहों पर जाना न भूलें।

छत्तीसगढ़ का छिपा हुआ खजाना माना जाता है औरापानी

छत्तीसगढ़ भारत का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। साल 2000 में इस राज्य का गठन हुआ था। साथ ही यह देश का 10वां सबसे बड़ा राज्य माना जाता है। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा भी कहा जाता है। यह राज्य विशान घने जंगलों के लिए भी जाना जाता है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक विविधता के लिए भी जाना जाता है। छत्तीसगढ़ में ऐसी कई शानदार और मनमोहक जगहें मौजूद हैं। यहां पर हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटक घूमने के लिए आते हैं।

छत्तीसगढ़ में स्थित औरापानी भी ऐसी ही एक अद्भुत जगह है। जो कहीं से भी हिमाचल या उत्तराखंड से कम नहीं मानी जाती है। औरापानी की खूबसूरती को देखने के लिए देश के हर कोने से लोग पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको औरापानी में मौजूद कुछ शानदार और बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

कहां है औरापानी

औरापानी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मौजूद है। यह मुख्य शहर के करीब 45 किमी की दूरी पर स्थित है। औरापानी छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की सीमा के पास में स्थित है। वहीं औरापानी छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर 170 किमी दूर स्थित है। इसके साथ ही औरापानी छत्तीसगढ़ के रतनपुर से करीब 91 किमी, मध्य प्रदेश के अमरकंटक से करीब 90 किमी और पंडरिया से करीब 51 किमी दूर स्थित है।

औरापानी की खासियत

बता दें कि औरापानी को सिर्फ बिलासपुर ही नहीं बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का छिपा खजाना माना जाता है। घने जंगलों के बीच स्थित औरापानी बेहद मनमोहक और खूबसूरत दृश्यों के लिए जाना जाता है।

यह जगह अपनी खूबसूरती के साथ सुहावने मौसम के लिए भी जाना जाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। वहीं मानसून और सर्दी के मौसम में औरापानी की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए खास है ये जगह

छत्तीसगढ़ में स्थित औरापानी पर्यटकों का वह खजाना है, जहां पर घूमने के लिए लोग हिमाचल और उत्तराखंड को भूल जाएंगे। यहां पर सिर्फ छत्तीसगढ़ के ही नहीं बल्कि अन्य जगहों से भी पर्यटक आते हैं। यहां का शांत और शुद्ध वातावरण के साथ झील और झरनों के लिए भी जाना जाता है। औरापानी के जंगलों में स्थित झील और वॉटरफॉल सैलानियों को सबसे ज्यादा आकर्षित करते हैं।

एडवेंचर का है खजाना

औरापानी अपनी खूबसूरती के साथ एडवेंचर का खजाना माना जाता है। यहां पर सुकून के कुछ पल बिताने के साथ आप एडवेंचर एक्टिविटी करने भी पहुंच सकते हैं। औरापानी को हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिग के लिए बेस्ट पर्यटन केंद्र माना जाता है। सर्दी और मानसून में यहां पर हर दिन दर्जनों की संख्या में पर्यटक एडवेंचर एक्टिविटी का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा आप यहां पर फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

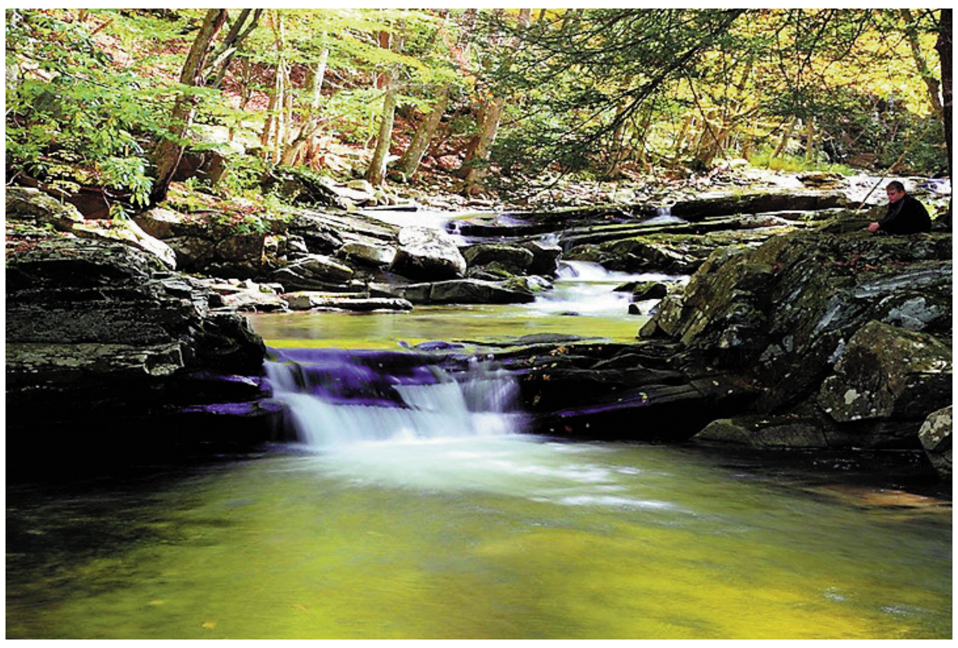

घूमने की बेस्ट जगहें

बता दें कि औरापानी और इसके आसपास कई ऐसी शानदार और हसीन जगहें हैं, जहां पर आप घूमने के लिए जा सकते हैं। आप औरापानी झील के साथ औरापानी वॉटरफॉल जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। औरापानी में झील और वॉटरफॉल एक्सप्लोर करने के बाद आप अचानकमार अभयारण्य और अमरकंटक हिल्स जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

गन मास्टर... में दिखेगा इमरान का सोलो एक्शन अवतार

बॉलीवुड में अपनी इमेज को लगातार रीइंवेंट कर रहे इमरान हाशमी इन दिनों फिल्म 'गन मास्टर G9' को लेकर सुर्खियों में हैं। बोरीवली में चल रही शूटिंग के बीच फिल्म का माहौल सिर्फ एक्शन और स्टाइल तक सीमित नहीं है, बल्कि सेट पर अपनाई गई एक खास परंपरा ने इंडस्ट्री का ध्यान खींचा है। ट्रेड सूत्रों का कहना है कि 2027 इमरान के करियर का सबसे व्यस्त और अहम साल साबित हो सकता है, जब वे कई बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के सामने होंगे।

जेनिलिया डिसूजा और अपारशक्ति खुराना भी दिखेंगे

निर्देशक आदित्य दत्त ने सेट पर सर्वधर्म प्रार्थना की परंपरा शुरू की है। इस पर उन्होंने कहा... 'मेरी पहली फिल्म से ही सेट पर दिन की शुरुआत गणेश आरती से होती थी, लेकिन 2013 में 'टेबल नंबर 21' के दौरान विचार आया कि क्यों न अन्य धर्मो की प्रार्थनाओं को भी शामिल हो।' फिल्म में जेनिलिया डिसूजा और अपारशक्ति खुराना अहम रोल में हैं।

यश राज फिल्म्स में हो सकती है 'आतिश' की वापसी

इमरान ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी इमेज में जो बदलाव किया है, उसका बड़ा फल उन्हें 2027 में मिलने जा रहा है। अगले साल इमरान न केवल सोलो लीड बल्कि बड़ी फ्रेंचाइज फिल्मों का भी हिस्सा होंगे। सूत्रों के अनुसार, यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स में इमरान के 'आतिश' किरदार को मिली प्रतिक्रिया के बाद एक स्टैंडअलोन डार्क थ्रिलर पर विचार चल रहा है। 'टाइगर 3' में उनके नेगेटिव रोल को दर्शकों ने सराहा था, जिसके बाद इस किरदार की बैकस्टोरी पर काम की चर्चा है।

'जन्नत 3' और 'मर्डर 4' के भी बनने की है सुगबुगाहट

वहीं इमरान की हिट फ्रेंचाइज 'जन्नत' के तीसरे भाग पर पेपर वर्क शुरू होने की खबर है, जिसमें इमरान एक बार फिर 'अर्जुन दीक्षित' के रूप में लौट सकते हैं। सूत्र बताते हैं कि इस बार कहानी सट्टेबाजी की दुनिया के नए और आधुनिक डिजिटल स्वरूप (क्रिप्टो डार्क वेब) पर आधारित होगी। वहीं महेश भट्ट के साथ 'मर्डर' फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने की भी चर्चा है। 2027 के अंत तक 'मर्डर 4' के जरिए इमरान अपनी पुरानी जड़ों की ओर लौट सकते हैं। इमरान एक ओटीटी पर मिलिट्री एक्शन सीरीज में भी दिखेंगे।

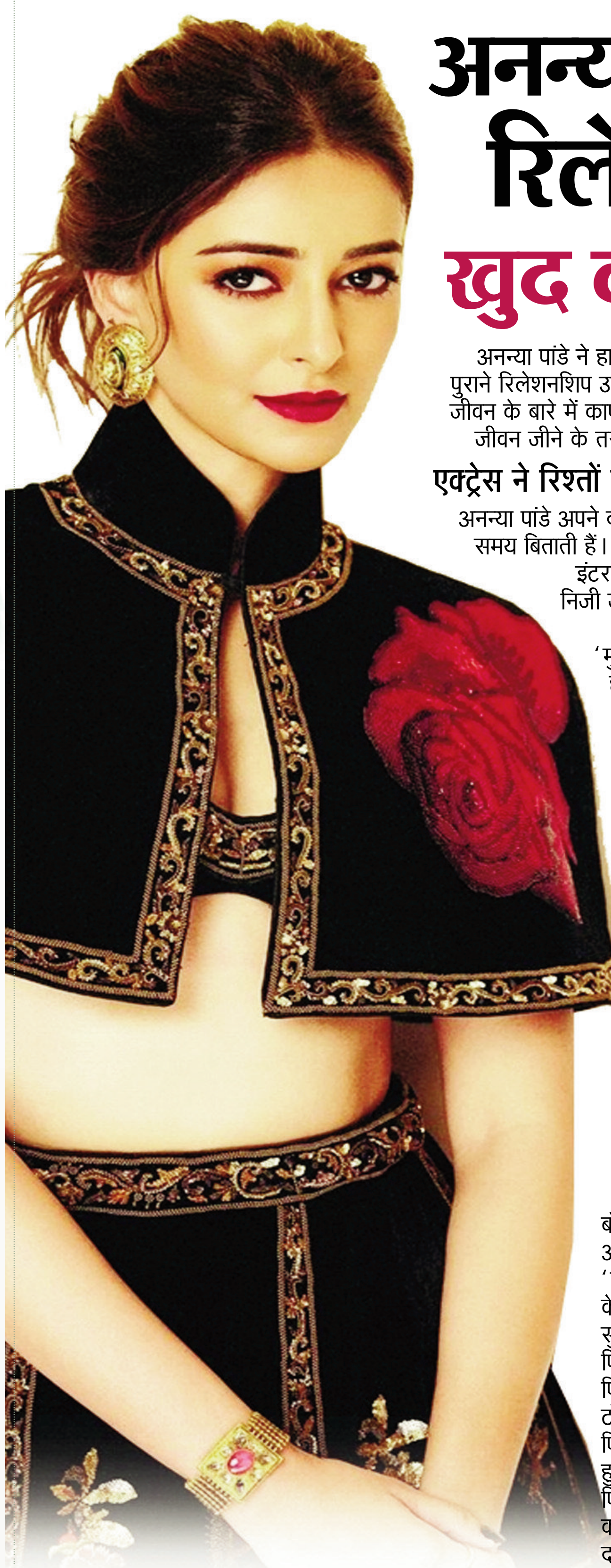

अनन्या पांडे ने शेयर की अपने रिलेशनशिप की मुश्किलें

खुद को हमेशा कमतर समझा

अनन्या पांडे ने हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में पुराने रिलेशनशिप उससे जुड़ी उम्मीदें और अपने निजी जीवन के बारे में काफी कुछ बताया। एक्ट्रेस ने खुद के जीवन जीने के तरीकों में बदलाव की बात भी कही।

एक्ट्रेस ने रिश्तों से मिला दुख किया शेयर

अनन्या पांडे अपने दोस्तों और फैमिली के साथ काफी समय बिताती हैं। हार्पर बाजार इंडिया को दिए अपने इंटरव्यू में अनन्या ने अपने अतीत और निजी जीवन के नजरिए के बारे में काफी कुछ शेयर किया। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे अकेले रहने में काफी परेशानी होती है। वह हर वक्त परिवार और दोस्तों से घिरे रहना पसंद करती हैं। मगर कुछ समय बाद मुझे अकेले रहने का महात्व समझ आया। ऐसा करने से मैंने अपने जीवन में एक बदलाव महसूस किया। मुझे रिश्तों पर दोबारा सोचने का समय मिला।'

खुद को हमेशा कमतर समझा

एक्ट्रेस ने अपनी बातचीत में आगे बताया कि उनके पिछले रिश्ते से उन्होंने काफी सबक लिए। इस रिश्ते ने उनके आत्म-सम्मान पर भी काफी प्रभाव डाला। अकेलेपन के पहले जब वो रिश्ते में थी उन्होंने खुद को हमेशा कमतर समझा। वह हमेशा यह चाहती थी कि सामने वाले की अहमियत उनसे ज्यादा हो। जिस वजह से वह उस व्यक्ति के हिसाब से खुद को बदल लेती थीं। मगर अब वो अपने अंदर एक अलग चेंज लेकर आई हैं।

जल्द रिलीज होगी अनन्या की फिल्म

एक्ट्रेस की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा..' हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन भी नजर आए थे। अब अनन्या की दूसरी फिल्म धर्मा प्रोडक्शन की रोमांटिक ड्रामा 'चांद मेरा दिल' रिलीज होगी। 8 मई, 2026 को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

22 मई को रिलीज होगी बॉबी स्टारर फिल्म 'बंदर : मंकी इन अ केज'

बॉबी देओल इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'बंदर : मंकी इन अ केज' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल सितंबर में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। अब यह फिल्म भारतीय दर्शकों के बीच रिलीज के लिए तैयार है। हाल ही में मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी यह फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रिलीज डेट के ऐलान के साथ एक नया पोस्टर भी जारी किया गया है। पोस्टर में बॉबी गहन और गंभीर अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म में बॉबी के साथ सान्य मल्होत्रा, सबा आजाद और सपना पब्बी भी दिखाई देंगी। फिल्म का निर्माण निखिल द्विवेदी ने किया है। फिल्म की कहानी की बात करें तो यह एक ऐसे व्यक्ति की भावनात्मक और संघर्षपूर्ण कहानी है, जो समाज की चालबाजी और व्यवस्था के दुरुपयोग के जाल में फंस जाता है।

कृष्णा श्रॉफ ने पलटा शो 'द 50' का गेम

शो 'द 50' का हाल ही में एक प्रोमो रिलीज हुआ। यह शो अपने फिनाले की तरफ बढ़ रहा है। अब प्रतियोगी शो में बने रहने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। इस शो में बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ भी बतौर प्रतियोगी नजर आ रही हैं।

कृष्णा ने पूरा गेम ही बदल दिया

कृष्णा श्रॉफ ने अपनी ही टीम मेंबर आरुषि को शो से बाहर करने के लिए हामी भरी। यह बात आरुषि को बुरी लगी, उसने कृष्णा से सवाल-जवाब किया। इस दौरान कृष्णा ने कहा कि उनकी प्रायोरिटी सिर्फ 'द 50' शो है, ना कि कोई प्रतियोगी। इस तरह से कहीं ना कहीं कृष्णा ने अपने ही टीम मेंबर को शो में बने रहने के लिए धोखा दिया।

आरुषि को वोट आउट करने से पहले ही कई प्रतियोगी दो दिन पहले ही शो से बाहर हो चुके थे। इस लिस्ट में डांसर सपना चौधरी और इंफ्लुएंसर मनीषा रानी शामिल हैं। सपना चौधरी इस शो के कारण काफी चर्चा में आईं, उनके बाकी प्रतियोगियों से काफी झगड़े भी हुए।

'द 50' शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिंस नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। 'द 50' शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

'कल्कि 2' में दीपिका की जगह नजर आएंगी साई पल्लवी

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'कल्कि 2898 AD' साल 2024 में रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन ने इसके सीक्वल पर काम भी शुरू कर दिया है। इसका संकेत अमिताभ बच्चन ने अपने एक विडियो में दिया था। पिछले साल 2025 में खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण 'कल्कि 2' का हिस्सा नहीं होंगी। इसके बाद से निर्माता नई एक्ट्रेस की तलाश में थे। अब ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'फिल्म के लिए साई पल्लवी को फाइनल कर लिया गया है। वह सीक्वल में दीपिका की जगह नजर आएंगी। कास्ट के एक सदस्य ने पुष्टि करते हुए कहा कि दीपिका के बाहर होने के बाद इस किरदार को खत्म करने का सवाल ही नहीं था, इसलिए साई पल्लवी को चुना गया। एक सूत्र के अनुसार... 'दीपिका ने सीक्वल के लिए पहली फिल्म से लगभग 35 प्रतिशत ज्यादा फीस की मांग की थी। उनकी शर्तों पर सहमति नहीं बन पाई, जिसके बाद उन्होंने फिल्म छोड़ दी।

'धुरंधर' की सफलता के बाद दमदार वापसी के लिए तैयार हैं अर्जुन रामपाल

फिल्म 'धुरंधर' की सफलता के बाद अर्जुन रामपाल एक बार फिर दमदार वापसी के लिए तैयार हैं। उनकी अगली फिल्म एक अनटाइटल्ड फैमिली ड्रामा है, जिसमें वे सोलो लीड के तौर पर दिखेंगे। फिल्म का मकसद मनोरंजन के साथ एक मजबूत सामाजिक संदेश भी देना है, जिससे यह फैमिली ऑडियंस को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। इस फिल्म की कहानी जीवन की सादगी, अपनी जड़ों से जुड़ाव और उन रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है जो वास्तव में मायने रखते हैं। मेकर्स का कहना है कि इसमें घिसे-पिटे मसालेदार फॉर्मूले की जगह भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली कहानी दिखाई जाएगी। यह ऐसी फिल्म होगी, जिसे पूरा परिवार साथ बैठकर देख सकेगा और जो दर्शकों को अपनी विरासत और अपनों की अहमियत का एहसास कराएगी। इस प्रोजेक्ट के जरिए अर्जुन पहली बार लेखक-निर्देशक शैलेश वर्मा के साथ काम कर रहे हैं।

चंबल की लोककथाओं पर बेस्ड होगी 'शक्ति शालिनी'

यशराज फिल्म्स की 'सेयारा' से चर्चा में आई अनीत पड्डा और 'मर्दानी 2' व 'होमबाउंड' से पहचान बना चुके विशाल जेठवा तेजी से बड़े बैनर्स की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अब ये दोनों कलाकर पहली बार मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में एक साथ नजर आने वाले हैं। दिनेश विजन और अमर कौशिक के सुपरहिट यूनिवर्स में अगली पेशकश 'शक्ति शालिनी' होगी। सूत्रों के मुताबिक, यह फिल्म अनीत को एक महिला-प्रधान सुपरनैचुरल किरदार में पेश करेगी, जबकि विशाल उनके लव इंटरेस्ट की भूमिका निभाएंगे। हालांकि यह रिश्ता सिर्फ रोमांस तक सीमित नहीं रहेगा, चल्कि कहानी को नैतिक गहराई और भावनात्मक आधार भी देगा।

कियारा के हटने के बाद अनीत हुई कास्ट

अक्टूबर 2024 तक इस प्रोजेक्ट से कियारा आडवाणी का नाम जुड़ा था, लेकिन अब फिल्म अनीत के खाते में है। मार्च 2026 से शूटिंग शुरू होने की संभावना है। 'शक्ति शालिनी' को 'मुंज्या' फेम आदित्य सरपोतदार डायरेक्ट करेंगे। यह फिल्म चंबल और आस-पास की लोककथाओं पर बेस्ड होगी। जहां 'स्त्री' में रहस्य और 'मुंग्या' में शरारत थी. वहीं इस बार फोकस हाई-ऑक्टेन एक्शन और दैवीय शक्तियों पर होगा। अनीत का किरदार एक ऐसी युवती का है, जिसे धीरे-धीरे अपनी असाधारण शक्तियों का अहसास होता है।

'सलाम वेंकी' में साथ काम कर चुके दोनों

सूत्रों के मुताबिक, विशाल का किरदार कहानी में एक खास बैलेंस लाता दिखेगा। अनीत और विशाल इससे पहले काजोल स्टारस 'सलाम बैंकी' में साथ काम कर चुके हैं, लेकिन वहां दोनों का कम रोल था, लेकिन 'शक्ति शालिनी' में उन्हें पहली बार पूरी स्पेस देगी। विशाल के लिए भी यह ऐसी फिल्म होगी, जहां वह लीड हीरो हैं। इस जोड़ी का कॉम्बिनेशन ऐसा है कि एक तरफ उभरता स्टारडम है तो दूसरी तरफ मजबूत अभिनय। विशाल का फिल्म में अनीत के साथ रिश्ता सिर्फ रोमांटिक ट्रैक तक सीमित नहीं रहेगा। उनके किरदार से कहानी में एक बैलेंस भी आएगा

कोर्टरूम ड्रामा 'न्याय' का भी हैं हिस्सा अनीत

करियर के इस अहम मोड़ पर भी अनीत अपनी पढ़ाई को भी प्राथमिकता दे रही हैं। वह फिलहाल पॉलिटिकल साइंस के फाइनल में हैं। परीक्षाओं के बाद ही यह शूटिंग जॉइन करेंगी। इसके अलावा वह कोर्टरूम ड्रामा सीरीज 'न्याय' और मनीष शर्मा की अनटाइटल्ड रोमांटिक फिल्म में भी दिखेंगी। वहीं विशाल के लिए यक्ति शालिनी एक बड़ा कमरिर्शथिल टर्निंग पॉइंट से सकती है। इंडस्ट्री टेड्स के मुताबिक, विशाल इस साल आर्ट सिनेमा और मास एंटरटेनमेंट दोनों दुनियाओं में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अतुल कुमार के द्वारा क्लीयर पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व ग्राम मुस्तफापुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अतुल कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0 9456868 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।